Jatan
Working with young people

जतन

वार्षिक रिपोर्ट 2023 – 2024

जतन वार्षिक रिपोर्ट

सत्र - 2023 - 24

संपादन एवं मार्गदर्शन	: डॉ. कैलाश बृजवासी
	: रणवीर सिंह
लेखन और सामग्री संकलन	: मुकुल कुमार मनमान
सहयोग	: कन्हैया लाल जीनगर
	: डॉ.उषा चौधरी
	: मरुधर सिंह
मुद्रण	: संजरी प्रिंटर्स उदयपुर

बदलाव के लिए ''क्लिक''
मुखपृष्ठ : जतन संस्थान द्वारा संचालित स्वस्थ पीढ़ी परियोजना के तहत फागुन मेले में सैज्जाद खान द्वारा लिया गया चित्र

Jatan
Working with young people

संस्थान परिचय

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में जमीनी स्तर पर काम करने वाली एक स्वैच्छिक संस्था है। जतन ने अपने काम की शुरुआत सन् 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की।

अपनी स्थापना के समय से ही जतन, ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर–किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए जेंडर संवेदनशीलता, प्रजनन स्वास्थ्य, माहवारी प्रबंधन, शिक्षा, पोषण, जीवन कौशल, बाल सुरक्षा, एवं सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों पर सूचनाबद्ध भागीदारी बढ़ाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभाव मुक्त जिंदगी जी सकें।

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि युवाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकें।

जतन की प्रतिबद्धता

- जतन संस्थान के सभी कार्यालय प्लास्टिक फ्री, स्मोकिंग फ्री, टोबैको फ्री और वेस्टेज फ्री हैं।
- कार्यालय में प्लास्टिक की थैलियों और डिस्पोजेबल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग नहीं किया जाता और अन्य लोगों को भी इसका उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया जाता है।
- जतन संस्थान, अपने परिसर तथा संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी की बोतल, फ्लेक्स बैनर, प्लास्टिक फोल्डर, स्ट्रा, प्लास्टिक अथवा थर्माकोल के कप, थर्मोकोल शीट्स, प्लास्टिक प्रिंटिंग सामग्री, खाने के प्लास्टिक पैकेट या डिब्बे आदि का उपयोग नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- हम जानते है कि संसाधन बहुत सीमित है, अतः संसाधनों का सही और समुचित उपयोग करने पर हमारा जोर रहता हैं। यही कारण है कि हम किसी भी सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करने में विश्वास करते है चाहे वो माहवारी प्रबंधन के लिए काम में लिए जाने वाला सूती कपड़ा हो या एक तरफ इस्तेमाल किया गया कागज ।
- हमारे द्वारा विकसित की जाने वाली सभी प्रकार की सन्दर्भ सामग्री की पहुँच अधिक से अधिक लोगों तक सुनिश्चित हो सके, इसके लिए हम कॉपी लेफ्ट नीति का पालन करते हैं। हम उन साथियों के प्रति अपना आभार भी व्यक्त करते हैं जो हमें, उनके द्वारा प्रयोग में ली जा रही जतन सन्दर्भ सामग्री के लिए श्रेय देते हैं।
- संस्थान बाल संरक्षण को लेकर सजग है और इसके लिए कार्यकर्ताओं को पाबंद करती है कि वे अपने घर, खेत और व्यवसाय में बच्चों से कार्य नहीं कराएंगे, न ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा को प्रोत्साहित करने के लिए उसका हिस्सा बनेंगे।
- संस्थान द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में जाति, लिंग और सामाजिक पहचान के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। जतन अपनी टीम में LGBTQIA+ समुदाय से जुड़े साथियों को संस्थान में अवसर देने के लिए प्रेरित है ।

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखने और इनका पालन करने के लिए समय–समय पर कार्यकर्ताओं को चर्चा और प्रशिक्षण के माध्यम से संवेदनशील किया जाता है।

अनुक्रमणिका

1.	निदेशक की कलम से	6
2.	हमारी पहुँच	7
3.	किशोर, किशोरियों और युवाओं के बेहतर जीवन के लिए	8
4.	महिलाओं की गरिमा और सम्मान के लिए	17
5.	बच्चों के पोषण स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के लिए	26
6.	स्वस्थ परम्पराएं	35
7.	हमारे प्रकाशन	40
8.	जतन कार्यकारिणी, समिति बोर्ड सदस्य और बैठके	41
9.	अंकेक्षण प्रतिवेदन	45
10.	सुर्खियों में जतन	52

हमारी पहुँच

उदयपुर

राजसमंद

डूंगरपुर

भीलवाड़ा

जयपुर

बांसवाड़ा

सिरोही

हमारा जुड़ाव

महिलाएं	बच्चे	युवा	फ्रंटलाइन कार्यकर्ता
123000+	32000+	50000+	10100+

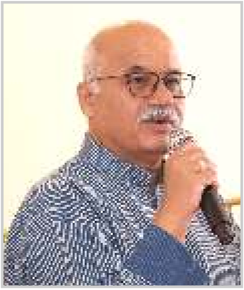

निदेशक की कलम से ....

सत्र 2023–2024 में संपन्न कार्यों का लेखा–जोखा इस वार्षिक रिपोर्ट के रूप में आपके हाथों में है। यह वर्ष नियमित संचालित गतिविधियों के साथ ही कुछ और नई परियोजनाओं और कार्यक्रमों को लेन वाला सत्र रहा। कुछ परियोजनाएं जहाँ अपने समापन के पड़ाव पर हैं वहीं कुछ नयी परियोजनाएं शुरू होने की कगार पर खड़ी हैं। इस सिलसिले में जतन ने अपनी प्रतिबद्धता के साथ कोई समझौता नहीं किया है और बच्चों, किशोर–किशोरियों, युवाओं और महिलाओं के विकास से जुड़े मुद्दों पर कार्य करना जारी रखा है।

स्वस्थ पीढ़ी परियोजना के तहत कार्य करते हुए हमने अपने कार्यक्षेत्र को विस्तार दिया है और सिरोही के पिण्डवाडा ब्लॉक और राजसमन्द के ही कुम्भलगढ़ ब्लॉक में अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है। राजसमन्द के आमेट और देवगढ़ ब्लाक में संचालित 'पहला कदम' परियोजना में शाला पूर्व शिक्षा की गतिविधियों को जेंडर के नजरिए से देखते हुए इसके अंकेक्षण का कार्य किया गया है और उसी के अनुरूप इसके पाठ्यठ्क्रम और गतिविधियों में हस्तक्षेप करते हुए कई नवाचार किये जा रहे हैं जो अपने आप में अनूठे हैं।

इस वर्ष हम शाला पूर्व शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के साथ राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क से एक प्रभावी और महत्वपूर्ण भूमिका के साथ जुड़ गए हैं। इस नेटवर्क में लगभग 40 संस्थाएं सदस्य हैं और जतन इसमें कोर टीम सदस्य के रूप में जुडी है। यहाँ हम अपने अनुभवों को विस्तार देने का कार्य भी बड़े स्तर पर कर सकेंगे।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान की 2 प्रमुख गतिविधियां ''स्थापना दिवस समारोह'' और ''कार्यकर्ताओं का वार्षिक क्षमता शिविर''सफलतापूर्वक आयोजित किये गए। कार्यकर्ताओं के लिए आपसी मेल–जोल बढ़ाने, जतन के मूल्यों और संस्कृति से परिचित होने और नए विषयों पर अपनी जानकारी को बढाने के ये 2 प्रमुख अवसर हैं, जिन का आयोजन सभी कार्यकर्ता मिल–जुल कर करते हैं।

संस्थान के कार्यों को विभिन्न मंचों पर पहचान के साथ सम्मान भी मिला है जिसे आप इस रिपोर्ट में देख सकेंगे।

हमें लगता है आने वाला वर्ष जतन की सोच और सीख को आगे बढ़ाने वाला समय है, इसलिए इस तरह के मंच हमारे लिए अवसर के साथ–साथ उपलब्धियां भी लेकर आते हैं।

आशा है ये कारवां इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा।

शुभकामनाओं के साथ

डॉ. कैलाश बृजवासी

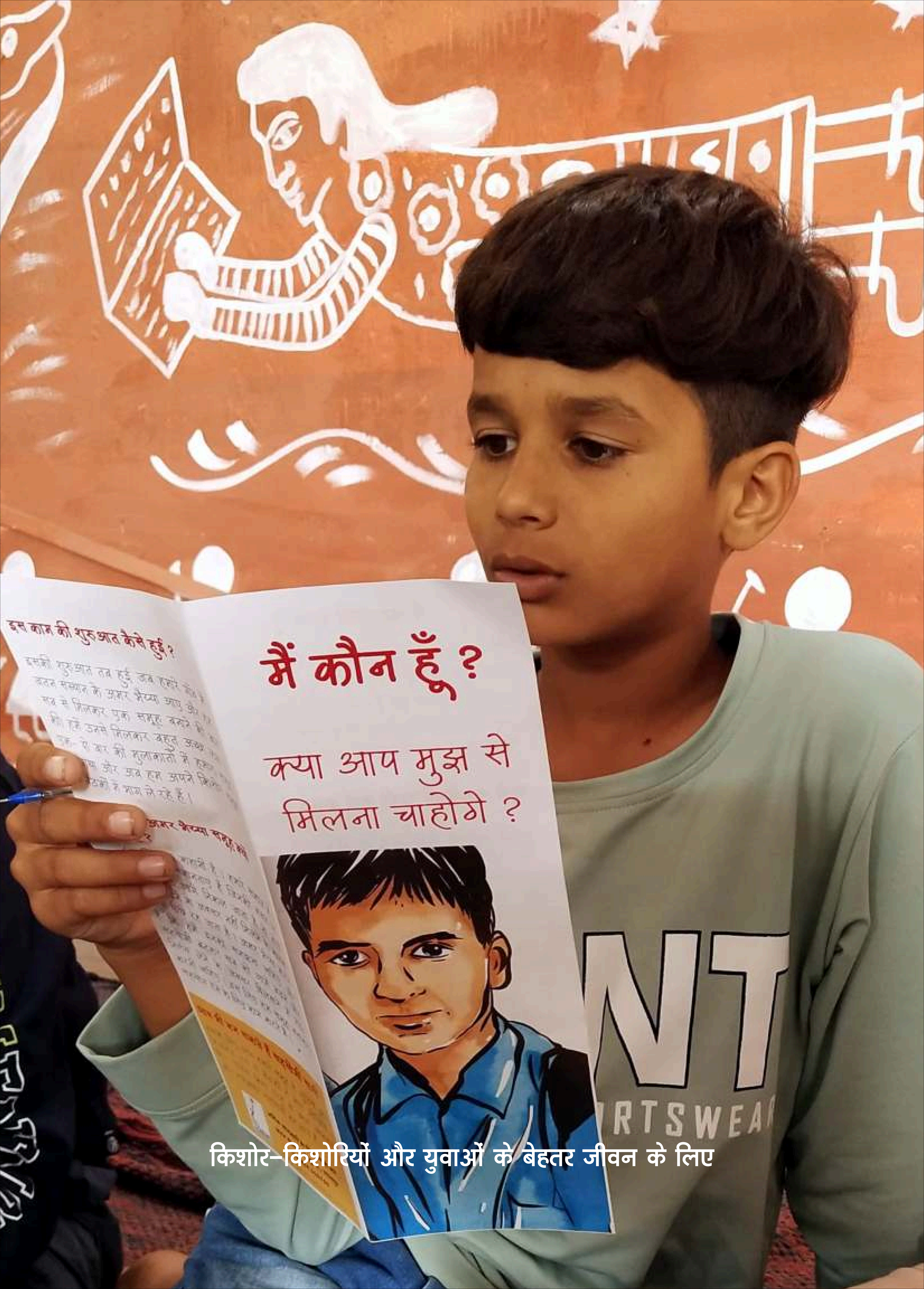

किशोर–किशोरियों और युवाओं के बेहतर जीवन के लिए

मर्दानगी की बदलती परिभाषा : सहयोगी परियोजना

दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर जिले के गोगुन्दा ब्लॉक के 30 गाँवों में किशोरों के जीवन कौशल, जेंडर समानता, सकारात्मक मर्दानगी, व्यवहार परिवर्तन और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। यह परियोजना जतन संस्थान और यूनिसेफ राजस्थान के साझा प्रयास से संचालित है। इस पहल का मुख्य लक्ष्य गाँवों में किशोरियों के लिए एक सकारात्मक और हिंसा–मुक्त वातावरण का निर्माण करना है। साथ ही किशोरों की पारंपरिक सोच और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है ताकि वे जिम्मेदार, संवेदनशील और समानता–आधारित समाज के निर्माण में योगदान देने वाले नागरिक बन सकें। परियोजना के प्रमुख उद्देश्य किशोरों में सकारात्मक मर्दानगी का विकास करना ताकि वे रूढ़िवादी और हिंसात्मक व्यवहार से मुक्त होकर भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने वाले चेंजमेकर बन सकें, अभिभावकों को जागरूक करना ताकि वे अपने बच्चों (चाहे वे किशोर हों या किशोरियाँ) दोनों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में प्रोत्साहित हों और समुदाय के हितधारकों को संवेदनशील बनाना है ताकि वे अपने व्यवहार और दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाकर समानता और सम्मान की भावना को बढ़ावा दे सकें।

इस वर्ष सहयोगी परियोजना के अंतर्गत किशोरों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए 30 किशोर समूहों का गठन किया गया। इन समूहों के माध्यम से जेंडर समानता, हिंसा, रिश्ते, जीवन कौशल और जिम्मेदार नागरिकता जैसे मुद्दों पर नियमित चर्चा व गतिविधियाँ आयोजित की गई। "घर का काम सबका काम" जैसे सोशल एक्शन प्रोजेक्ट्स के जरिए जेंडर समानता को बढ़ावा दिया गया। इस अभियान 30 गाँव के 800 से भी अधिक किशोरों ने भाग लिया। 2 गाँव में बालिकाओं के लिए क्रिकेट मैच का आयोजन कर किशोरों की जेंडर समानता में भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। 30 समूहों में अभिभावक बैठकों के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों की आवश्यकताओं, सकारात्मक परवरिश और सुरक्षित डिजिटल प्लेटफश्वर्म के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। बाल सुरक्षा सप्ताह के दौरान किशोरों ने रैलियों, पोस्टर प्रदर्शनी और संगोष्ठियों के माध्यम से समुदाय में जागरूकता फैलाई। "कागज बोलते मन की बातें" कार्यक्रम के तहत 350 किशोरों ने अपने माता–पिता को पत्र लिखकर संवाद को सशक्त बनाया।

ब्लाक स्तर पर आयोजित "म्हारा टाबर सूं म्हारी पहचान" कार्यक्रम ने अभिभावकों को बच्चों के प्रति सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया और अभिभावक–बच्चे के रिश्ते को बेहतर बनाने पर बल दिया। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 1,640 बालक–बालिकाओं की भागीदारी के साथ बालिका सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और करियर अवसरों पर चर्चा की गई। करियर डे पर 475 विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर अवसरों के लिए मार्गदर्शन दिया गया। उदयपुर में आयोजित जिला स्तरीय मीडिया कार्यशाला में जेंडर संवेदनशीलता पर संवाद आयोजित किया गया। कार्यशाला में उदयपुर जिले के 30 मिडियाकर्मियों की भागीदारी रही। ब्लॉक स्तर पर आयोजित धर्मगुरुओं के साथ शिक्षा समागम कार्यक्रम में बालिका शिक्षा के महत्व पर चर्चा कर समाज में समानता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया गया।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अभियान के अंतर्गत इस पहल में 175 लोगों की भागीदारी के साथ माहवारी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें सेनेटरी पैड का वितरण किया गया और स्वच्छता के महत्व पर चर्चा की गई, ताकि बालिकाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया जा सके।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के साथ कार्य

इस परियोजना में राज्य स्तरीय शिक्षा और बालिका सशक्तिकरण के कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग दिया गया। इसमें शिक्षा विभाग और यूनिसेफ के साथ मिलकर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के प्रयास किए गए, जिससे बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिला। राज्य स्तर पर शिक्षा विभाग की जेंडर सेल (मीना राजू मंच तथा गार्गी मंच) तथा सामुदायिक गतिशीलता कार्यक्रम

(एसएमसी/एसडीएमसी तथा वालंटियर) के साथ मिलकर मार्गदर्शिका को अपडेट करने तथा उनसे जुड़े राज्य स्तरीय प्रशिक्षण एसआरजी के सदस्यों प्रशिक्षित किया गया। साथ ही किशोर किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम में हम सहपाठी हम सहभागी के रूप में सकारात्मक पुरुषत्व पर संवेदनशील किया गया।

किशोरों के साथ सकारात्मक मर्दानगी के कार्यो को देखने व दस्तावेजीकरण करने लिए यूनिसेफ द्वारा न्यू कांसेप्ट की टीम द्वारा किशोरों के समूह के साथ में मुलाकात की गयी और उनके अनुभवों को विस्तार देते हुए इसे राष्ट्रीय मंच पर साझा किया गया। किशोरों में आए बदलावों को देखने के लिए यूनिसेफ राजस्थान से इसाबेला यूनिसेफ स्टेट हेड तथा संजय जी निराला बाल संरक्षण विशेषज्ञ द्वारा किशोर समागम में किशोरों से भेंट की।

जयपुर में नॉन वोइलेंस कम्युनिकेशन (अहिंसक संचार) पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें जतन संस्थान व महिला जन अधिकार समिति के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सकारात्मक परवरिश पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें जतन व महिला जन अधिकार समिति के स्टाफ द्वारा भागीदारी दी गयी। प्रशिक्षण में परवरिश विषय विशेषज्ञ दीपक तैरेया ने सन्दर्भ प्रदान किया।

सामाजिक बदलाव के साक्षी युवाओं की ''स्माइल''

प्रवाह संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से संचालित स्माइल परियोजना के तहत युवाओं को सामाजिक परिवर्तन के एजेंट के रूप में तैयार करने के लिए जीवन कौशल पर कार्यशालाएं, सामाजिक मुद्दों पर अभियान और नियमित बैठकों द्वारा उनकी दक्षताओं को विकसित किया गया। इसके अंतर्गत 132 यूथ अड्डा बनाकर 2000 युवाओं को जोड़ा गया।

स्माइल परियोजना की शुरुआत 15 मई, 2023 को उदयपुर के शहरी क्षेत्र से हुई और इसका विस्तार गोगुंदा, कोटड़ा (उदयपुर) और देवगढ़, आमेट, रेलमगरा (राजसमंद) में किया गया। इन क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं का चयन उन्हें मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से किया गया, ताकि वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

40 युवाओं को जिले से बाहर इंटर्नशिप और 40 युवाओं को स्थानीय ब्लॉक में इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध करवाए गए और सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों को सोशल एक्शन प्रोजेक्ट पर कार्य करते हुए समझाया गया। साथ ही आगामी कार्य योजना भी तैयार करवाई गई। युवाओं ने पहली बार अपने घर से 14 दिन दूर जाकर समाज कार्य किया और वापस अपने गाँव में युवा समूह बनाकर गाँव के मुद्दों की पहचान कर कार्य करने के लिये तैयारी की।

इंटर्नशिप के दौरान युवाओं ने अलग–अलग मुद्दों पर काम किया जिसमें जेंडर, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल संरक्षण, शाला पूर्व शिक्षा, पंचायती राज, आजिविका, सकारात्मक परवरिश इत्यादि विषयों पर युवाओं की समझ विकसित हुई और नेतृत्व क्षमता व जीवन कौशल का विकास हुआ।

इंटर्नशिप पूर्ण होने के बाद युवाओं ने अपने गांव/क्षेत्र में जाकर सोशल एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से सरकारी पेंशन, नारा लेखन, पंचायती राज से जुड़ी योजनाएं, टीकाकरण जैसी जरूरी सेवाओं तक समुदाय की पहुंच सुनिश्चित की।

जीतावास की स्पेशल 26

"पर्याप्त जानकारी के अभाव में सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की योजनाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल पाता, क्योंकि उनमें लगातार बदलाव होते रहते हैं, जैसे–जीवित प्रमाण पत्र, पेंशन योजना के लिए दस्तावेज को सत्यापित करवाना आदि। लोग समझ ही नहीं पाते कि इसके लिए कहाँ जाएँ और कौन–कौन से दस्तावेज जुटाएं।"

जमुना ने अपनी इंटर्नशिप के दौरान यह उदगार व्यक्त किये और इसी मुद्दे पर कुछ विशेष कार्य करने की ठान ली।

जमुना व लक्ष्मी दोनों ने अपनी इंटर्नशिप के दौरान पेंशन कार्यक्रम पर समझ बनाते हुए जरुरतमंद व निराश्रित जनों को लाभ दिलाने की ठानी। सबसे पहले तो उन्होंने अपने गाँव जीतावास में घर–घर जाकर योजना से वंचित पात्र व्यक्तियों की जानकारी इकठ्ठी की। उन्होंने पाया कि उनके गाँव में 40 व्यक्ति ऐसे थे जिन्हें पेंशन नहीं मिल पा रही थी या किसी कारण से अटकी पड़ी थी। तब उन्होंने सारे दस्तावेजों की सूची बनाते हुए उन्हें पुनरू ई मित्र की सहायता से पेंशन फॉर्म भरवाए और दस्तावेजों को अपलोड करवाया।

दोनों के प्रयासों से 26 व्यक्तियों को पेंशन शुरू हो गयी है।

आदिवासी अंचल में शिक्षा की सतत बयार : दिगंत परियोजना

सहयोग – क्षमतालय संस्थान और एजुकेट फॉर लाइफ

उदयपुर जिले की कोटडा तहसील के मांडवा और झेड पंचायत के विद्यालय में यह परियोजना संचालित की जा रही है। परियोजना का उद्देश्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं को शैक्षणिक सहयोग और मार्गदर्शन द्वारा स्कूली शिक्षा पूरी करने में सहायता प्रदान करना है, साथ ही विद्यालय में सतत शिक्षण व्यवस्था को बनाये रखने के लिए विभाग और अभिभावकों को जागरूक बनाए रखना है। इस परियोजना के तहत शिक्षा समन्वयक, शिक्षण कार्य के दौरान विद्यार्थियों के सामाजिक भावनात्मक और नैतिक विकास के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति का प्रयोग करते हैं। वे विद्यार्थियों की माध्यमिक शिक्षा स्तर को पूर्ण होने तक संख्या ज्ञान, जीवन कौशल, डिजिटल साक्षरता, और आधारभूत ज्ञान को विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित करते हैं। इसके साथ ही शिक्षा समन्वयक तार्किक एवं अर्थपूर्ण गतिविधियों के साथ साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में पूर्ण प्रेरणा और आत्मविश्वास को बढाते हैं ताकि छात्र–छात्राएं माध्यमिक स्तर की शिक्षा पूरी करने के बाद भी शिक्षा से जुड़े रहें।

मुख्य उपलब्धियाँ

- **अभिभावक–शिक्षक बैठक** (PTM): मांडवा और झेड स्कूलों में समय–समय पर सफल बैठकों का आयोजन कर शिक्षा के महत्व पर चर्चा की गई, जिसका परिणाम बच्चो के अटेंडेंस और बोर्ड परीक्षा के भागीदारी में दिखा।
- **सामुदायिक जुड़ावः** ''ग्राम पंचायत विकास योजना'' (GPDP) कार्यशाला में भागीदारी कर स्कूल सुरक्षा के लिए ग्राम पंचायत के साथ समय–समय पर समन्वय किया गया।
- **डिजिटल साक्षरताः** कक्षा 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए डिजिटल साक्षरता कक्षाओं का सफल संचालन किया गया जिससे बच्चे अपने पाठ्यक्रम के साथ–साथ माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस और उसके इम्प्लिकेसन से रूबरू हुए।
- **करियर जागरूकताः** 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए जिसके माध्यम से विभिन्न विभिन्न रोजगार अवसर के बारे में जागरूक हुए।
- **बोर्ड परीक्षा सहायताः** बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं और अध्ययन सामग्री (TLM) का प्रबंधन किया गया और अलग अलग गणित ट्रिक और अन्य विषयों को कम समय में तैयारी के लिए जागरूक किए गए।
- बोर्ड परीक्षा उपस्थितिरू मांडवा में 100% (कक्षा 8 और 10) और झेड में भी शत–प्रतिशत भागीदारी रही।

बाल विवाह मुक्त भारत के लिए : एक्सेस टू जस्टिस परियोजना

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउन्डेशन व जतन संस्थान द्वारा राजसमन्द जिले के 6 ब्लॉक में 150 गाँव के साथ ''बाल विवाह मुक्त भारत'' अभियान के तहत एक्सेस टू जस्टिस फेज–2 परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जिले को बाल विवाह मुक्त बनाना और बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण के मुद्दों पर कार्य करना है। परियोजना के तहत बाल विवाह, बाल यौन शोषण, और बाल श्रम के खिलाफ व्यापक जागरूकता और हस्तक्षेप कार्यक्रम संचालित किए गए। परियोजना का मुख्य उद्देश्य में समुदाय के साथ मिलकर बाल विवाह रोकथाम अभियान चलाना, जिले को बाल श्रम से मुक्त करने के लिये जिला स्तरीय प्रशासन के साथ समन्वयन स्थापित करना और हितधारकों का समूह निर्माण कर उन्हें बच्चों के मुद्दों पर सवेंदनशील बनाना है।

परियोजना के अंतर्गत किये जाने वाले प्रयासों की मुख्य उपलब्धियां

बाल विवाह रोकथाम के लिए	बाल यौन शोषण रोकने के लिए	बाल श्रम उन्मूलन के लिए
191 मामलो में प्रशासन के साथ मिलकर कार्यवाही में सहयोग	1.40 लाख से अधिक विद्यार्थियों को सुरक्षित स्पर्श–असुरक्षित स्पर्श पर चर्चा	47 बाल श्रमिक बच्चों का रेस्क्यू कर पीड़ित प्रतिकर योजना से लाभ दिलाया

इसके अतिरिक्त जिले के 150 गांवों में दीवारों पर नारों के माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। साथ ही, 210,040 लोगों को बाल विवाह नहीं करवाने की शपथ दिलाई गई और 150 से अधिक जागरूकता रैलियाँ आयोजित की गई। बाल विवाह और बाल लैंगिक अपराधों के खिलाफ जागरूकता के लिए जिले में 30 पंचायतों के 42 गांवों में नुक्कड़ नाटक और कठपुतली शो का आयोजन किया गया, जिसमें 12,695 लोगों ने भाग लिया। VLCPC बैठकों का आयोजन किया गया ,जिसमे बाल विवाह रोकथाम ,बाल श्रम ,बाल शोषण के मुद्दे मुख्य रहे साथ ही सम्बंधित गाँव में आ रही समस्याओ का समाधान करने का प्रयास किया गया।

राजसमन्द में बाल संरक्षण के मुद्दों पर 2 दिवसीय 'बाल संरक्षण प्रशिक्षण' का आयोजन किया गया, जिसमे सभी ब्लॉक के बाल कल्याण अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पुलिस अधीक्षक, अति. पुलिस अधीक्षक SIUCAW,साइबर थाना, AHTU, ग्राम पंचायत के सचिव, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य और जतन संस्थान के निदेशक व उपनिदेशक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण की मुख्य उपलब्धि जिला स्तरीय अधिकारियों और बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाना और बच्चों के लिए ठोस रणनीति तैयार करना रही।

अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए अब तैयार है गौरी

राजसमंद के देवपुरा गाँव में 16 वर्षीय गौरी रहती थी, जो कक्षा 12 में पढ़ती थी। वह पढ़ने में होशियार थी और डॉक्टर बनना चाहती थी। लेकिन उसके पिता ने पढ़ाई छुड़वाकर उसकी शादी तय कर दी। एक दिन, गौरी स्कूल जाते समय पंकज नाम के व्यक्ति से परेशान हुई। उसने छेड़खानी की और बलात्कार करने की कोशिश की। गौरी के जोर से चिल्लाने पर और लोगों के आने पर पंकज वहां से भाग गया।गौरी ने अपने पिता को इस घटना के बारे में बताया, लेकिन पुलिस थाने में रिपोर्ट नहीं लिखी गई। इसके बाद पंकज ने गौरी के घरवालों के साथ मारपीट की। उल्टा गौरी के पिता को ही थानेदार ने थाने में बंद कर दिया। गौरी और उसकी माँ ने वकील की मदद से पिता को बाहर निकाला और मामला दर्ज कराया। बाद में घर वालों ने गौरी की शादी कहीं और तय कर दी। संस्थान की टीम और CSW ने गौरी के परिवार को समझाया और उसे पढ़ने के लिए प्रेरित किया। अगले वर्ष जुलाई में गौरी को फिर से विद्यालय में प्रवेश मिल गया।

विहंगम और दूर–दराज क्षेत्रों में शिक्षा की अलख : एजुकेशन नेस्ट (शिक्षा नीड़)

सॉलिडारिडाड और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के सहयोग से जतन संस्थान द्वारा संचालित यह परियोजना कोटड़ा क्षेत्र के बेकरिया और तेजा का वास पंचायत में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों (6–14 वर्ष की आयु) के लिए संचालित की जा रही है। इसका मुख्य लक्ष्य समुदाय और अभिभावकों को सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से बच्चों की शिक्षा का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाना है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य सीखने के माहौल में सुधार करना और स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को वापस स्कूल लाना, जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाना तथा भाषा, विज्ञान और गणित में छात्रों के परीक्षा परिणामों में सुधार लाना है। परियोजना के लिए 3 स्कूलों का चयन नामांकन के आंकड़ों, कर्मचारियों की उपलब्धता और स्थानीय अधिकारियों और सामुदायिक नेताओं की मदद से किए गए जरूरतों के आकलन के आधार पर किया गया।

परियोजना का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2023) पर किया गया। शिक्षा अधिकारियों के साथ प्रगति और चुनौतियों को साझा करने के लिए सहयोगी बैठकें आयोजित की गई। सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने और सुधार को मापने के लिए बेसलाइन और एंडलाइन मूल्यांकन आयोजित किए गए, जिसमें छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाई गई। लक्षित स्कूलों में नामांकन में वृद्धि देखी गई, जो परियोजना के प्रभाव को दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिसमें बहुस्तरीय शिक्षण और संसाधन सामग्री के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। अनुकूल शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय और खेल के कोने स्थापित किए गए। स्कूल और समुदाय के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए अभिभावक–शिक्षक बैठकें (पीटीएम) और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) बैठकें आयोजित की गईं।

कम समय अवधि में महत्वपूर्ण उपलब्धि

परियोजना की शुरुआत बेसलाइन मूल्यांकन से हुई। शुरुआत में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) कौशल में केवल 18% और 10% दक्षता देखी गई। इसके बाद विशेष फेलो प्रशिक्षण, इंटरैक्टिव शिक्षण सामग्री, नियमित कक्षा सहायता और स्कूल में माता–पिता की भागीदारी जैसे मुख्य कार्य किए गए। एक पुस्तकालय भी स्थापित किया गया, जिसमें पढ़ने के सत्र और कहानी सुनाने के घंटों का विविध संग्रह था। 6 माह संचालित इस परियोजना में ग्रेड 1 से 5 के छात्र–छात्राओं को लक्षित किया गया, जिनके अंतिम मूल्यांकन में लेवल A और B के FLN कौशल में 51% और 22% सुधार दिखा। औसत दक्षता 80% हो गई।

महिलाओं की गरिमा और सम्मान के लिए

माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन प्रयासों को गति

जतन संस्थान की उगेर यूनिट द्वारा यौन व प्रजनन स्वास्थ, सुरक्षित माहवारी प्रबंधन और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्य किया जा रहा है। अपने अभियान के तहत यूनिट ने भारत के कई राज्य की संस्थाओं और सरकार के साथ प्रजनन और यौन स्वास्थ्य व अधिकारों पर संदर्भ प्रदान किया है और इसके लिये किशोर–किशोरी और महिलाओं को प्रशिक्षण से जोड़ा है।

सुरक्षित माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के लिए उगेर नामक 'सेनेटरी नेपकिन' तैयार किये जाते हैं जो सूती कपडे से बने हैं और जिसे बार बार उपयोग में लाया जा सकता है। यह नेपकिन पयार्वरण स्वच्छता को बढ़ावा देता है।

इस वर्ष भारत की 'राष्ट्रीय माहवारी स्वास्थ्य नीति' की समीक्षा के लिए कई संगठनों और व्यक्तियों ने मिलकर काम किया। इस क्रम में जतन संस्थान द्वारा भी इस में भाग लिया और 'माहवारी स्वास्थ्य नीति' के हर पहलुओ पर अपने अनुभव साझा किए, सरकार और संगठनों के इस प्रयास में सक्रिय रूप से शामिल रहे, जो दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में संपन्न हुआ। संस्थान द्वारा सुरक्षित माहवारी प्रबंधन कार्य क्षेत्र में किये गए कार्यों और अनुभव को मान्यता प्रदान करते हुए लक्ष्मी मूर्ति को गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'ग्लोबल मेन्स्ट्रुअल इक्विटी मीटिंग' में अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

इस वर्ष उगेर इकाई ने स्पार्क मिंडा के सहयोग से उत्तराखंड की दो जेलों हरिद्वार और देहरादून में माहवारी स्वच्छता और प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। इस अनुभव के बाद उगेर टीम द्वारा उदयपुर केंद्रीय कारागार में भी इसी विषय पर सत्र आयोजित करने में सफल रहे।

चाइल्ड फंड, नई दिल्ली और परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश की महिला इकाई सहित कई संगठनों के लिए माहवारी स्वच्छता और प्रबंधन विषय पर सत्र आयोजित किए। जतन के नव–नियुक्त कर्मचारियों के लिए भी सत्र आयोजित किए गए। जयपुर में यूनिसेफ द्वारा आयोजित किशोर मेले में उगेर का कार्य और कपड़े के पैड प्रदर्शित करने का अवसर मिला। उगेर इकाई ने तीन अन्य मेलों (उदयपुर में ईवा मेला, जाजम मेला और राजसमंद में युवा मेला) में भी भाग लेते हुए प्रदर्शनी लगाई।

इस वर्ष उगेर टीम ने सवाई माधोपुर के श्यामपुरा गाँव में ग्रामीण शिक्षा केंद्र के प्रभाव का आकलन करते हुए 30 किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए संगठन के ''उमंग'' कार्यक्रम का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त पद्धति में 50% परियोजना लाभार्थियों के साथ संरचित व्यक्तिगत साक्षात्कार, लड़कियों के माता–पिता के साथ अनौपचारिक चर्चा, केंद्र के कर्मचारियों के साथ अनौपचारिक चर्चा और विश्लेषण शामिल था।

आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट ने लक्ष्मी मूर्ति और उगेर टीम को महाराष्ट्र के जालना में एक यूनिट स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया, जहाँ शुरुआत में माहवारी स्वास्थ्य सत्र आयोजित किए गए और बाद में कपड़े के पैड के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उजास टीम को प्रशिक्षण दिया गया।

इस वर्ष जतन संस्थान का एक और महत्वपूर्ण कदम माहवारी अवकाश नीति का लागु होना रहा। इस नीति के तहत सभी मेनस्ट्र्युएटर आवश्यकतानुसार इस अवकाश का लाभ उठा सकती हैं।

मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान, राहत शिविरों में काम करने वाले संगठनों ने शिविर में वितरण करने के लिए माहवारी संबंधी उत्पाद की माँग की जिसके लिए जतन द्वारा मणिपुर में स्थापित यूनिट के लिए 150 कपड़े के पैड और 150 मास्क का एक डिब्बा भेजा।

उगेर इकाई हमेशा से डिजाइन के छात्रों के साथ मिलकर काम करती रही है। इस वर्ष टीम ने भारत में दशकों से प्रयुक्त किये जा रहे माहवारी संबंधी उत्पादों का दस्तावेजीकरण करने का निर्णय लिया।

इस दस्तावेजीकरण को एक ग्राफिक उपन्यास के रूप में प्रस्तुत किया गया–जिसका शीर्षक था ''भारत में माहवारी प्रबंधन उत्पाद 1970 से 2022''। एमआईटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन विभाग (पुणे) की तृतीय वर्ष की डिजाइन छात्राएँ, टिया एलेक्स, नव्या शाह और उर्वी मेधी ने इस कार्य को अपने हाथों में लिया। उनकी परियोजना का पहला चरण इन उत्पादों के परिदृश्य पर शोध करना था। इसके बाद उन्होंने ग्राफिक उपन्यास के लिए विषयवस्तु और चित्र तैयार किए। यह परियोजना प्रगति पर है और 2024–25 तक पूरी होने की उम्मीद है। यह पहल एमएचएआई (भारतीय माहवारी स्वास्थ्य गठबंधन) के सहयोग से है।

रोशनी रायसिंघानी और अमरजीत मेहता, एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा के डिजाइन छात्र, दोनों को लक्ष्मी द्वारा उनके पैकेज डिजाइन मॉड्यूल के लिए मार्गदर्शन दिया गया था, जहाँ उन्होंने कपड़े के पैड के लिए पैकेज डिजाइन का कार्य लिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी अवधारणा को FIPSA, फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव पैकेजिंग एंड सस्टेनेबिलिटी द्वारा आयोजित एक पैकेज डिजाइन प्रतियोगिता में शामिल किया। हमें यह जानकर खुशी हुई कि उन्होंने एक सांत्वना पुरस्कार जीता।

उगेर इकाई द्वारा डिजाइन छात्रों के लिए 6 दिवसीय ग्रामीण अनुभव कार्यक्रम संचालित किया जाता है, जहाँ छात्र गाँव गाँव में ही स्थित संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र 'हुनरघर में रहकर ग्रामीण जीवन और संस्कृति को सीखने–समझने का अनुभव प्राप्त करते हैं। पाठ्यक्रम में जतन स्टाफ सदस्यों द्वारा क्षेत्र भ्रमण और व्याख्यान शामिल हैं। इस वर्ष डिजाइन छात्रों के लिए 6 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें निरमा यूनिवर्सिटी, जेकेएलयू और ऋषिहुड यूनिवर्सिटी, हरियाणा के छात्र–छात्राओं ने भाग लेकर ग्रामीण जीवन और संस्कृति को जानने का प्रयास किया।

स्थानीय स्व–शासन को मजबूत बनाने की कवायद

राजसमंद जिले के रेलमगरा ब्लॉक की 14 पंचायतों में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन इंडिया के सहयोग और मार्गदर्शन में पंचायती राज सशक्तिकरण परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। साथ ही, मानव विकास से जुड़े मुद्दों– जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला हिंसा की रोकथाम, बच्चों के अधिकार आदि को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने में भी ये जागरूक मंच सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह परियोजना जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में योगदान दे रही है। परियोजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की पहुँच समुदाय तक सुनिश्चित करना भी है। इसके तहत 14 ग्राम पंचायतों में इस वर्ष 1423 सदस्यों/परिवारों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाभान्वित किया गया तथा 14 पंचायतों में जागरूक मंच के 350 सदस्यों को जोड़कर समूह निर्माण किया गया है।

जागरूक मंच गठन व प्रशिक्षण

परियोजना के तहत स्थानीय मुद्दों पर समुदाय को जागरूक करने व संगठित करने के लिए समुदाय के जागरूक महिला/पुरुषो के संगठन बनाये गये, जिन्हें जागरूक मंच नाम दिया गया, यह मंच समुदाय की समस्याओ को पंचायत व अन्य सम्बन्धित विभागों तक लेकर जाते है। विकास योजनाओ के निर्धारण में पंचायत का सहयोग करते है क्रियान्वयन व निगरानी में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे है।350 जागरूक मंच सदस्यों में से इस वर्ष 155 सदस्यों के लिए 03 प्रशिक्षण आयोजित किये गये इसमें सामाजिक मुद्दों की पैरवी, सामाजिक अंकेषण, समस्या पहचान, सरकारी योजनाये, ई ग्राम स्वराज व ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान पर प्रशिक्षण दिया गया।

स्थाई समिति सदस्यों का प्रशिक्षण

ग्राम पंचायतो की स्थाई समितियों को मजबूत करने लिये 14 पंचायत में से 49 जनप्रतिनिधियों को दो समूह में प्रशिक्षण से जोड़ा गया और इन समितियों को सक्रिय करने के लिए नियमित पंचायत स्तर पर बैठकों करना, और पंचायत के मुद्दों पर चर्चा कर मुद्दों को ग्राम सभा तक लेकर जाना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये गए।

पंचायत जागरूकता अभियान

परियोजना के तहत सामाजिक मुद्दों पर जन जागरूकता लाने के लिए समय–समय पर जागरूकता अभियान चलाये गये, इनमे बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा की बात पंचायत के साथ, महिला हिंसा की रोकथाम में पंचायत की भूमिका आदि मुद्दों पर अभियान चलाकर जागरूकता पैदा करने व इन मुद्दों पर संवेदनाशील बनाने के लिए कार्य किया गया। इसके तहत रैली, समुदाय स्तरीय मीटिंग, किशोर/किशोरियों के साथ पोस्टर प्रतियोगिता आदि गतिविधियों का आयोजना किया गया इन अभियानों को जनप्रतिनिधियो व पंचायत स्तरीय सरकारी कार्मिको का समर्थन भी मिला है। अभियान में 8838 लोगों की भागीदारी रही।

जन प्रतिनिधियों का शैक्षणिक भ्रमण

जनप्रतिनिधियों ने भीलवाड़ा के मांडलगढ़ ब्लॉक की दौलतपुरा ग्राम पंचायत का दौरा किया, जिसमें सामूहिक संसाधनों के प्रबंधन और उनके मानव विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई।इस भ्रमण में 31 जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सामग्री निर्माण तथा विभागीय प्रशिक्षण में सहयोग

पंचायत जनप्रतिनिधि और जागरूक मंच के सदस्यों को सरल और सुगम तरीको को क्षमतावर्धन करना के लिए टीम द्वारा पंचायतीराज परियोजना टीम द्वारा सामग्री निर्माण की गयी।जागरूक मंच ब्रोशर, स्थायी समिति कैलेंडर, सीख रो संदेशो

त्रैमासिक न्यूज लेटर, कॉफी टेबल बुक और अन्य सामग्री का निर्माण किया गया ।

सरकार के साथ जुड़ कर प्रशिक्षण आयोजित किया गये। पंचायती राज विषय पर राज्य, जिले व ब्लॉक स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किये जैसे सतत विकास लक्ष्यों पर पंचायत की योजनाये, जनप्रतिनिधियो व सरकारी कार्मिको के लिए ट्रेनिग नीड़ एसेसमेंट, माडयूल निर्माण, महिला व बाल हितेषी पंचायत की समझ, कार्बन न्यूट्रीक पंचायत, पंचायतो में जेंडर बजट आदि प्रशिक्षण में सन्दर्भ देने का कार्य किया गया।

मुद्दे आधारित जागरूकता अभियान

पंचायतीराज सशक्तिकरण परियोजना के तहत सामाजिक मुद्दों पर जन जागरूकता लाने के लिए समय–समय पर जागरूकता अभियान चलाएं गए इनमें बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा की बात पंचायत के साथ, महिला हिंसा की रोकथाम में पंचायत की भूमिका, पेंशन सत्यापन आदि मुद्दों पर अभियान चलाकर जागरूकता पैदा करने व पंचायत को इन मुद्दों पर संवेदनशील बनाने के लिए कार्य किया गया। इसके तहत रैली, समुदाय स्तरीय मीटिंग, किशोर किशोरियों के साथ पोस्टर प्रतियोगिता आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिक्षा की बात पंचायत के साथ अभियान के तहत 185 ड्रॉप आउट किशोरियों को पुनः विद्यालय में प्रवेश दिलवाया गया। इन अभियानों को जनप्रतिनिधियों व पंचायत स्तरीय सरकारी कार्मिकों का समर्थन भी मिल रहा है साथ ही जागरूक मंच सदस्य अभियानों का हिस्सा बनने के साथ साथ इनका फोलोअप करके इन मुद्दों पर निगरानी का कार्य भी कर रहे है।

हम और हमारी सरकार विषय पर कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

अक्टूबर 2023 में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च केंद्र से (नीति अनुसन्धान केंद्र) के सहयोग से जतन टीम के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण में लोकतान्त्रिक व्यवस्था व सरकार के ढांचे के बारे में बताया गया कि किस प्रकार योजनाओ का निर्धारण होता है और उनके क्रियान्वयन में जन प्रतिनिधियों व सरकारी विभागों की जिम्मेदारी तय होती है।

जागरूक मंच के प्रयासों से गरीब परिवारों को मिल रहा है योजनाओं का लाभ

कविता (परिवर्तित नाम) ग्राम पंचायत धनेरिया गढ़ की निवासी है। वह एक अत्यंत गरीब और घुमंतू समुदाय से संबंध रखने वाली महिला है। लगभग दो वर्ष पूर्व उसके पति का देहांत हो गया था। कविता के तीन बच्चे हैं, जिनके पालन–पोषण की पूरी जिम्मेदारी उसी पर है। दस्तावेजों में कमी होने के कारण वह विधवा पेंशन के लिए आवेदन नहीं कर पा रही थी, और बच्चों के लिए पालनहार योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा था। परिवार की आजीविका केवल नरेगा में मजदूरी करके ही चल रही थी। पंचायत में आयोजित जागरूक मंच की बैठक में कविता ने अपनी समस्या बताई। मंच के सदस्यों ने उसकी समस्या को पंचायत में लगने वाले शिविर में उठाया और सरपंच के साथ लगातार फॉलो–अप किया। उन्होंने कविता को रेलमगरा स्थित ई–मित्र केंद्र पर लेकर गए, जहाँ उसके पति का नाम जनाधार कार्ड से हटवाया गया और विधवा प्रमाण पत्र बनवाया गया। इस पूरी प्रक्रिया में जागरूक मंच के सदस्यों ने ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला स्तर तक सक्रिय रूप से प्रयास किए।

इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप कविता के बच्चों के नाम पालनहार योजना में जोड़े गए और उसकी विधवा पेंशन भी शुरू करवाई गई।

जागरूक मंच की पहल से रमना को मिला नरेगा में रोजगार

मेरा नाम रमना भील है। मैं ग्राम लापस्या की निवासी हूँ। मेरा घर भील बस्ती में है, जिसके चारों ओर कंटीली झाड़ियों की बाड़ लगी है। मेरे पति का निधन कोरोना काल में हो गया था। उनके जाने के बाद बच्चों का पालन–पोषण करना मेरे लिए बहुत कठिन हो गया था। एक दिन मैं ग्राम पंचायत में गई, जहाँ जागरूक मंच की बैठक चल रही थी। मैं वहाँ बैठ गई और कुछ देर में समझ आया कि यह मंच लोगों की समस्याओं पर चर्चा कर रहा है। तब मैंने भी अपनी समस्या साझा की।

मैंने बताया कि मुझे नरेगा में काम नहीं मिल रहा है, क्योंकि मेरा जॉब कार्ड नहीं बना है। कई बार पंचायत के चक्कर लगाने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ था। मेरी बात सुनने के बाद जागरूक मंच के सदस्यों ने तुरंत पहल की। वे सचिव के पास गए और समस्या की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मेरे आधार कार्ड और जॉब कार्ड आवेदन में नाम में अंतर होने के कारण काम स्वीकृत नहीं हो पा रहा था। इसके बाद मंच के सदस्य मुझे ई–मित्र केंद्र पर लेकर गए, जहाँ नाम में आवश्यक सुधार करवाया गया। कुछ दिनों बाद मेरा जॉब कार्ड बन गया। अब मैं नरेगा में नियमित रूप से काम करती हूँ।

इस रोजगार से मुझे अपने बच्चों का पालन–पोषण करने में बहुत सहायता मिली है।

मैं जागरूक मंच और जतन संस्थान का हृदय से धन्यवाद करती हूँ, जिन्होंने मुझे नरेगा से जुड़ने में सहयोग किया और मेरी समस्या का समाधान किया।

महिलाओं की सुरक्षा और सहायता

महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग और मार्गदर्शन में उदयपुर के मावली, डूंगरपुर के धम्बोला और डूंगरपुर, राजसमन्द के देवगढ़ और भीलवाडा के गंगापुर महिला थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। यह केंद्र महिलाओं को परामर्श देने के साथ कानूनी सहायता उपलब्ध करवाने में भी सहयोग देते हैं। प्रत्येक केंद्र पर दो परामर्शदाता नियुक्त रहते हैं। केंद्र द्वारा स्थानीय पंचायत, आंगनवाड़ी केंद्र, महिला समूह, स्कूल व कॉलेज में आयोजित विभिन्न बैठकों और कार्यशाला में भाग लेकर महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा पर चर्चा करते हुए उन्हें केंद्र पर दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है, साथ ही विभागीय आयोजनों व मेलों में केद्र की सेवाओं के बारे में प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। केंद्र द्वारा प्रति माह महिला अधिकारिता विभाग के साथ मासिक प्रगति पर चर्चा में टीम जुडती है और केंद्र पर आ रही समस्याओं के बारे में पुलिस और महिला अधिकारिता विभाग के साथ चर्चा कर समाधान का निर्णय लिया जाता है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण, कार्यशाला में भाग लेकर केद्र की उपलब्धियों रखा जाता है।

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों को प्राप्त प्रकरण (2023–24)

क्र.सं	प्रकरण	डूंगरपुर	धम्बोला	मावली	देवगढ़	गंगापुर	कुल
1	मारपीट	26	21	34	35	28	144
2	यौन उत्पीडन	0	0	0	0	0	0
3	आर्थिक हिंसा	1	4	0	0	0	5
4	मानसिक उत्पीडन	9	2	1	0	0	12
5	भरण पोषण	1	0	0	0	2	3
6	सन्तान सम्बन्धी	0	1	0	0	1	2
7	बलात्कार	0	0	0	0	0	0
8	घरेलू हिंसा	0	0	19	43	17	79
9	दहेज	0	2	0	0	2	4
	कुल	37	30	54	78	50	249

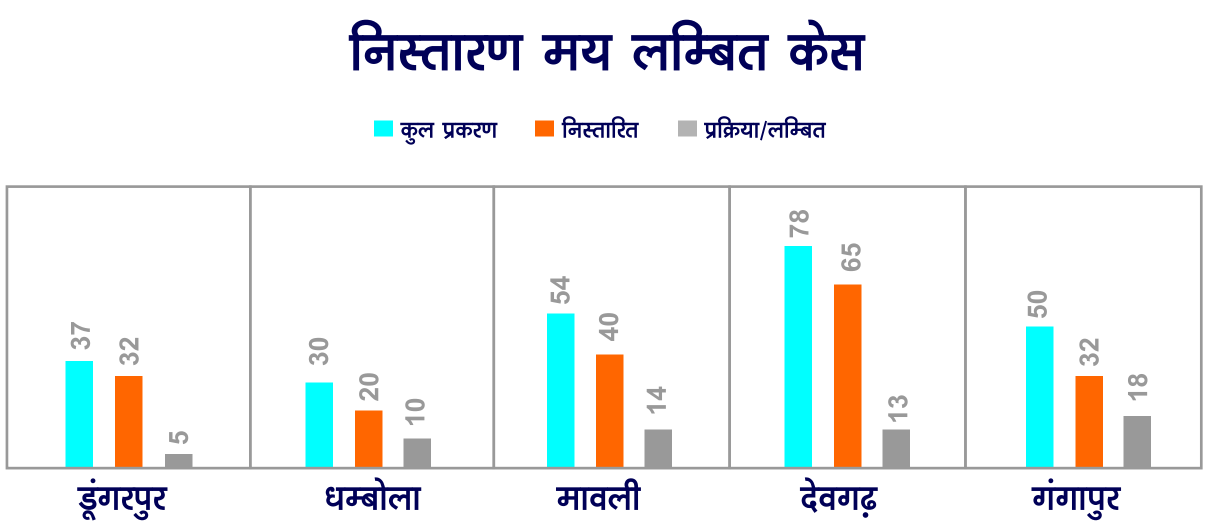

कहना है ये बिलकुल सच्चा, स्वस्थ माँ का स्वस्थ बच्चाः राजपुष्ट परियोजना

चिल्ड्रेन इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन (CIFF) द्वारा वित्तपोषित पाँच वर्षीय कार्यक्रम है। यह परियोजना आई पी ई ग्लोबल संस्थान के साथ मिलकर उदयपुर जिले के 11 ब्लॉकों में जमीनी स्तर पर संचालित की जा रही है।

परियोजना के मुख्य उद्देश्य बच्चों में कम वजन और कुपोषण की दर को कम करना, पालन 1000 के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और 0–2 वर्ष की आयु के बच्चों के अभिभावकों को आयु–उपयुक्त पालन–पोषण संबंधी परामर्श प्रदान करना, साथ ही मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य सुधारने के लिए माताओं को नकद हस्तांतरण के साथ प्रोत्साहन देना है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–4 के अनुसार, इन जिलों में लगभग दो–तिहाई महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित हैं, जबकि राज्य का औसत 47% है। राजस्थान में पाँच साल से कम उम्र के 37ः बच्चे कम वजन के हैं, जबकि उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा जिलों में यह आँकड़ा आधे से भी ज़्यादा है। यह परियोजना एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (ICDS) तथा मेडिकल, हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर विभाग के साथ मिलकर बच्चों में कुपोषण सुधारने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) और इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना (IGMPY) जैसी योजनाओं से प्रोत्साहन राशि प्रदान करती है। साथ ही 360° दृष्टिकोण अपनाकर सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन पर कार्य कर कुपोषण को कम करने के लिए प्रयासरत है। इस परियोजना के मुख्य लक्षित लाभार्थी गर्भवती महिलाएँ, धात्री माताएँ और छोटे बच्चे हैं।

सरकार द्वारा संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर विभिन्न योजनाओं तथा उत्सवों–जैसे पोषण पखवाड़ा, ब्रेस्टफीडिंग डे, गोदभराई आदि–का आयोजन करते हुए परियोजना ने हितधारकों के साथ मिलकर 3,175 आंगनवाड़ी केंद्रों पर महिलाओं एवं समुदाय को जागरूक किया। साथ ही परियोजना क्षेत्र में उच्च जोखिम वाली माताओं और बच्चों की पहचान कर अस्पताल की सहायता से उनका निवारण किया गया।

इस परियोजना के अंतर्गत उदयपुर जिले के 11 ब्लॉकों में 12,537 गर्भवती महिलाएँ और 12,814 बच्चे 3,175 आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभान्वित हुए।

स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक करने का संकल्प : स्वस्थ पीढ़ी परियोजना

हरीश बीना शाह फाउंडेशन और सत्वा के सहयोग से इसी वर्ष राजस्थान के 2 जिले राजसमन्द और सिरोही में कुम्भलगढ़ और पिण्डवाडा ब्लॉक में "स्वस्थ पीढ़ी" परियोजना की शुरुआत की गई है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य और पोषण के सन्दर्भ में पारिवारिक जीवन चक्र को सुदृढ़ करना है। परियोजना के प्राथमिक उद्देश्यों में बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के पोषण स्तर में 80% सुधार लाना, लक्षित समूहों के व्यवहार में 80% सकारात्मक बदलाव लाना और पोषण सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाना और स्थानीय समुदाय में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य (SRH) के प्रति जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

परियोजना 100 राजस्व गांवों को लक्षित करते हुए संचालित की जा रही है, जिसमें समेकित बाल विकास सेवा (ICDS) के साथ मिलकर आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायती राज और समुदाय के साथ मिलकर काम किया जाना प्रस्तावित है।

परियोजना संचालन के प्रारंभिक स्तर पर विभाग के साथ चर्चा के बाद क्लस्टर कोऑर्डिनेटर्स के लिए योग्यताओं और आवश्यकताओं के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। नए कर्मचारियों को संगठन में समाहित करने के लिए विस्तृत आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संगठनात्मक संरचना, मुख्य जिम्मेदारियां, प्रमुख नीतियां और व्यवहार मानकों की जानकारी सम्मिलित थी।

दोनों ही जिलों में जिलाधिकारी के साथ बैठक आयोजित की गई और बैठक में परियोजना के विवरण और उद्देश्यों को स्पष्ट किया गया। इसके साथ ही आगामी रणनीति के तहत किये जाने वाले मुख्य कार्य जैसे, गांवों में वर्तमान स्थितियों का आकलन करने के लिए बेसलाइन सर्वेक्षण करना, 200 गांवों में किशोरियों और महिलाओं के समूह बनाना, समुदाय में स्वास्थ्य जांच के लिए जिला स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना, किशोरों को परिवर्तन वाहक बनाने के लिए वार्षिक प्रशिक्षण आयोजित करना, गाँव स्वास्थ्य और पोषण दिवस में सक्रिय रूप से भाग लेना और बच्चों के पोषण स्तर की जांच के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और ASHA के साथ मिलकर स्क्रीनिंग कर आवश्यकतानुसार उपचार केंद्रों में रेफरल किया जाना पर जानकारी दी गई।

I.C.D.S.
राजस्थान
बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के लिए

बेहतर परवरिश के लिए

पेरेंट प्लस परियोजना, अर्बन 95 कार्यक्रम के अंतर्गत बर्नार्ड वैनलियर फाउंडेशन और नगर निगम उदयपुर द्वारा मिलकर संचालित की जा रही, एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य 3 साल के बच्चे की औसत ऊंचाई (95 सेंटीमीटर) के दृष्टिकोण से शहर के डिजाइन और विकास को समझने और सुधारने पर केंद्रित है। यह परियोजना शहर के छोटे बच्चों, उनके माता–पिता और उनकी देखभाल करने वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और समावेशी वातावरण तैयार करने का प्रयास करती है।

इस परियोजना में उदयपुर जिले के 6 वर्ष के बच्चे के साथ काम करने वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, क्रेच, प्ले स्कूल के शिक्षकों का बच्चों की सुरक्षित देखभाल के लिए नियमित क्षमतावर्धन और अभिभावकों को बच्चे के पालन–पोषण और उतरदायित्वपूर्ण देखभाल के लिए तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।

परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पालना घर संचालिकाओं और प्लेस्कूल शिक्षकों के लिए क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए। समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (CBDRM) कार्यशाला में समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देने और बाल सुरक्षा/कल्याण हस्तक्षेपों का एकीकरण करने पर जोर दिया गया। शहर की 3 आंगनवाड़ियों में माता–पिता और बच्चों की देखभाल करने वालों को पेरेंटिंग और उत्तरदायी देखभाल के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक किया गया। ECD फ्रेमवर्क विकसित किया गया जो उदयपुर शहर में बच्चों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करने का कार्य करेगा। इसी तरह बिहेवियर प्रोम्प्ट को भी विकसित कर उन्हें आंगनवाड़ी क्षेत्र में लगाया गया जो बच्चों के विकास में पिता की भूमिका, सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सहयोगी रहा।

102 फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सकारात्मक पेरेंटिंग और उत्तरदायी देखभाल की जानकारी देते हुए प्रशिक्षित किया गया। शाला पूर्व शिक्षा को मजबूत करने के लिए एक बहु–क्षेत्र अभिसरण कार्य योजना (CAP) और निगरानी रूपरेखा तैयार की गई।

पुणे में आयोजित 2 दिवसीय बाल महोत्सव में संस्थान द्वारा अपने कार्यक्रम की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया और परवरिश के विभिन्न पहलुओं पर माता–पिता व देखभालकर्ताओं के साथ गहन चर्चा की। परियोजना संचालन समिति (PSC) की बैठकों में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों को परियोजना प्रगति से अवगत करवाया गया।

रचनात्मकता को मंच देता अपना जतन केंद्र

गिबेको जर्मनी और इंडो एशिया टूर्स दिल्ली के सहयोग से उदयपुर शहर में नीमच माता कच्ची बस्ती देवाली में अक्टूबर 2010 से अपना जतन केंद्र की शुरुआत हुई। यह केंद्र कमजोर और वंचित बच्चों के शैक्षणिक, भावनात्मक और रचनात्मक विकास सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करता है।

वर्तमान में इस केंद्र से 46 स्थानीय बच्चे जुड़े हुए हैं। केंद्र की मुख्यत: 3 सेवाएँ हैं–पालना घर, वैकल्पिक शिक्षा और शिक्षा संबलन। पालना घर में जहाँ कामकाजी महिलाओं के 2 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की देखभाल की जाती है वहीं वैकल्पिक सेवा के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के उन बच्चों को वैकल्पिक शिक्षा देते हुए पुन: विद्यालयों से जोड़ा जाता है जो ड्रॉप आउट हो चुके हैं। इसके लिए स्कूल से वंचित और अनियमित बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक ज्ञान, संस्कृत और सामाजिक जागरूकता जैसे विभिन्न विषयों पर कक्षाएँ आयोजित की जाती है। इसी तरह शिक्षा संबलन सेवा के अंतर्गत विद्यालय जाने वाले कक्षा 8 तक के बच्चों को गृह कार्य करवाने और अध्ययन से जुडी समस्याओं को हल करने का कार्य किया जाता है।

इस सत्र में उपरोक्त नियमित कार्यों के अलावा हर माह कम से कम एक बार अभिभावक समूह, स्थानीय महिलाओं और किशोरियों के साथ बैठक आयोजित कर विभिन्न विषयों पर बात की गई। साथ ही कौशल विकास के अंतर्गत शिल्प कला, नाटक, न्यूट्री गार्डन, खेल सम्बन्धित गतिविधियाँ भी करवाई गई। ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों के विशेष रचनात्मक शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चे चित्रकारी, पेपर कटाई, क्राफ्ट, रंगोली और संगीत के अलावा नाटक कला भी सीख सके। 2 महीने तक आयोजित इस शिविर का समापन बच्चों द्वारा तैयार की गई सामग्री का प्रदर्शन और वार्षिक समारोह के साथ संपन्न किया गया, जिसमें बच्चों के अभिभावक और स्थानीय लोग शामिल हुए। साथ ही बच्चों की नाट्य कला को मंच देने के लिए स्थानीय थिएटर ग्रुप 'नाट्यांश' के सहयोग से आयोजित 'तराश' कार्यशाला से बच्चों को जोड़ते हुए "महाराष्ट्र भवन" में आयोजित वार्षिक समारोह में प्रस्तुति के लिए मंच दिया गया।

केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन करने नियमित रूप से गिबेको जर्मनी के पर्यटक भी आते हैं और बच्चों से मिलकर उनके साथ करवाई जा रही विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते हैं। इस सत्र में 11 बार जर्मनी की टीम के 72 सदस्यों द्वारा केंद्र विजिट करते हुए बच्चों के साथ चर्चा की गई।

अपना जतन केंद्र के बच्चों का नामांकन

पालना घर			वैकल्पिक शिक्षा		
लड़के	लड़कियां	कुल	लड़के	लड़कियां	कुल
7	8	15	20	15	35

जेंडर लेंस के साथ प्रारंभिक देखभाल : पहला कदम परियोजना

पहला कदम परियोजना Echidna Giving के सहयोग से जतन संस्थान द्वारा राजसमंद जिले के देवगढ़ और आमेट उपखंडों के आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त एवं मॉडल बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

परियोजना का उद्देश्य समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत प्रदत्त सेवाओं में से विशेष रूप से शाला–पूर्व शिक्षा और प्रारंभिक देखभाल को सशक्त करना है। इसके अंतर्गत बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति समुदाय की भागीदारी बढ़ाना तथा अभिभावकों को उपयुक्त देखभाल के लिए जागरूक करना शामिल है। वर्तमान में यह परियोजना दोनों उपखंडों के 275 आंगनवाड़ी केंद्रों में संचालित हो रही है।

परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नए स्टाफ का आमुखीकरण एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया। क्लस्टर समन्वयकों के लिए आवासीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजनाओं के संचालन और सभी आयामों पर समझ विकसित की गई।

275 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और जेंडर समानता से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका को सशक्त बना सकें।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर निगरानी और सहायता समितियों का गठन किया गया, जिन्हें उनकी जिम्मेदारियों के प्रति प्रशिक्षित किया गया।इससे केंद्र की सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ।

शाला–पूर्व शिक्षा के पाठ्यक्रम को 12 थीमों में विभाजित किया गया, जैसे–"मैं और मेरा परिवार, "भोजन, स्वास्थ्य और पोषण", "पड़ोस, लोग और संस्कृति", तथा "प्रकृति और पर्यावरण"। उक्त थीमों के आधार पर बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर अभिभावक समूहों का गठन किया गया, जो व्हाट्सएप के माध्यम से नियमित रूप से जुड़े रहते हैं।

"परवरिश" कार्यक्रम के तहत अभिभावकों को बच्चों की देखभाल, संवाद निर्माण और सीखने की प्रक्रिया में सहयोग देने हेतु प्रशिक्षित किया गया।

नामांकन बढ़ाने के लिए चौपाल बैठकों का आयोजन किया गया। बैठकों में स्थानीय प्रतिनिधि, समुदाय सदस्य और अभिभावक शामिल हुए। तीन महीने तक चले इस अभियान ने समुदाय में बच्चों के आंगनवाड़ी से जुड़ाव को बढ़ावा दिया।

अवलोकन और सुधार की प्रक्रिया के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने शाला–पूर्व शिक्षा गतिविधियों में समय प्रबंधन, पाठ योजना विकास और बच्चों के साथ संवाद को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। उन्होंने बच्चों की गतिविधियों को दोहराकर सीखने को सुदृढ़ करने की पहल की।

"पहला कदम" परियोजना के माध्यम से बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, जेंडर समानता, स्वास्थ्य, पोषण और समुदाय की भागीदारी को सशक्त कर एक समावेशी और संवेदनशील वातावरण तैयार करने की दिशा में ब्लॉक स्तरीय शिक्षक वाक्पीठ में परियोजना की सीख को जोड़ते हुए जैसे प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

जनसहभागिता से चमक उठी आंगनवाडी

देवगढ़ ब्लॉक के दौला जी का खेड़ा आंगनवाड़ी सेंटर में बच्चों को तपती गर्मी में रहना पड़ता था, क्योंकि वहां न तो पीने का पानी था और न ही पंखे की व्यवस्था थी। क्लस्टर समन्वयक अशोक कुमार ने अभिभावक बैठक में यह मुद्दा उठाया और भामाशाह माल सिंह से मुलाकात की। उन्होंने लाइट कनेक्शन हेतु सहयोग करने की अपील की, जिसके फलस्वरूप भामाशाह ने 7 दिन में ही तार एवं लाइट बोर्ड की व्यवस्था कर दी। इसके बाद भामाशाह ने पंखा और 25 प्लेट भी केंद्र को भेंट की। अब वे नियमित रूप से आंगनवाड़ी की विजिट करते हैं और सुधार हेतु गांव के लोगों से बातचीत करते हैं। उन्होंने सचिव महोदय से बातचीत करके नरेगा के माध्यम से आंगनवाड़ी पर साफ–सफाई भी करवाई।

इस पहल से गांव के अन्य लोग भी केंद्र की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हो गए हैं। यह कहानी समुदाय की भागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल है।

इसके बाद इस उदाहरण से प्रेरित होकर रामपुरिया और कणवेरा के ग्रामीण समुदायों ने भी सहयोग प्रदान कर आंगनवाड़ी की कायाकल्प में योगदान दिया।

अब बच्चों के ठाठ–नंबर दस नौ आठ : चाइल्डलाइन परियोजना

18 वर्ष तक की आयु के बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए जतन संस्थान की प्रतिबद्धता हमेशा से रही है जिसके लिए 2016 से देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए संस्थान द्वारा राजसमंद जिला मुख्यालय तथा उदयपुर रेलवे स्टेशन पर चाइल्डलाइन परियोजना का संचालन किया जा रहा है। यह परियोजना मुसीबत में फंसे बच्चों के लिए एक आपातकालीन फोन सेवा है। यह एक हेल्पलाइन है जिसके नंबर 1098 है। परियोजना टीम इसके लिए हितधारकों के साथ मिलकर नियमित प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें मुसीबत से निकालती है और सेवाओं से जोड़ती है।

आउटरीच के माध्यम से परियोजना टीम अपने क्षेत्र में जाकर बच्चों से जुड़े मुद्दों तथा उनके अधिकारों पर जागरूकता निर्माण का कार्य करती है और बच्चों से जुड़े अधिनियमों (किशोर न्याय व बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन संशोधन अधिनियम, 2016) पर बात करते हुए अलग–अलग स्थानों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए परियोजना के प्रचार–प्रसार का कार्य किया जाता है।

इस वर्ष उदयपुर जिले के रेलवे स्टेशन ,शेल्टर होम, विद्यालय, स्लम एरिया में 405 आउटरीच की गयी। चाइल्डलाइन परियोजना में निःशुल्क नंबर 1098 का उपयोग कैसे करना है और अपनी परेशानी कैसे बतानी है। इसके लिए टीम आउटरीच के दौरान फोन टेस्टिंग भी करती है जिससे कि मुसीबत के समय में डायल आसानी से किया जा सके तथा अपनी बात कहीं जा सके। इसके तहत 605 फोन टेस्टिंग की गयी। इसी प्रकार चाइल्डलाइन राजसमन्द टीम द्वारा बस स्टश्वप, शेल्टर होम, रेलवे स्टेशन, सिनेमा हॉल, सार्वजनिक पार्क, पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, विद्यालय, कच्ची बस्तियां इत्यादि 405 स्थानों पर आउटरीच की गयी और 340 फोन टेस्टिंग किए गए।

रेलवे चाइल्डलाइन के कार्य क्षेत्र में खारवा स्टेशन, खेमली स्टेशन, सिटी स्टेशन, उमरडा विद्यालय, इंद्रा कॉलोनी, भीलू राणा कच्ची बस्ती इत्यादि जगह पर ओपन हाउस या खुला मंच आयोजित किया गया। जहाँ बच्चों के अधिकार और उनसे जुड़े कानून पर जानकारी दी गयी। ओपन हाउस में चाइल्डलाइन स्टाफ द्वारा हितधारकों को साथ जोड़ते हुए बच्चों और समुदाय को जागरूक किया गया। जरूरतमंद बच्चों को भामाशाह से शैक्षणिक सामग्री प्रदान करवाई गई। ड्राप आउट बालकों के अभिभावकों को बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला बाल संरक्षण इकाई से जुड़े विभिन्न हितधारकों (बाल कल्याण समिति, बाल अधिकारिता विभाग, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, श्रम विभाग, स्वयंसेवी संस्थाएं, शेल्टर होम) विशेष किशोर पुलिस इकाई (बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, मानव तस्करी विरोधी यूनिट) तथा विधिक सेवा प्राधिकरण, उपखंड अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग इत्यादि के साथ परियोजना में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई और बच्चों को सेवाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

जतन संस्थान द्वारा संचलित एक्सिस टू जस्टिस परियोजना के साथ मिलकर जिला परिषद् सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए टॉक फॉर टाबर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें राज्य बाल आयोग अध्यक्ष सुनीता बेनीवाल ने भाग लिया।

इसी वर्ष अक्टूबर 2023 में विभागीय आदेश की अनुपालना में चाइल्डलाइन परियोजना को विभाग को सौंप दिया गए है और अब केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो इसे इमरजेंसी रिस्पोंस सपोर्ट सिस्टम (ERSS)-112 से जोड़ने का कार्य कर रही है।

बाल विवाह को रोकने के लिए साक्ष्य आधारित रणनीति

यह परियोजना टी.डी.एच. (Terre des Hommes Germany) के सहयोग और मार्गदर्शन में राजसमन्द जिले के खमनोर ब्लाक के 6 गांवों (मचीन्द, कराई, छोटा भाणुजा, मलीदा, नेडच, कागमंदारडा) में संचालित की जा रही है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह जैसी हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए साक्ष्य–आधारित रणनीतियों का विकास करना है। इसके लिए किशोरियों और समुदायों को जागरूक और सशक्त बनाने पर ध्यान दिया गया है।

इसके अंतर्गत किशोरियों के समूह निर्माण करते हुए उन्हें बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना, जीवन कौशल और शिक्षा के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाना ताकि वे अपने समुदायों में जागरूकता फैलाकर बाल विवाह जैसी प्रथाओं को रोक सकें और बाल विवाह के कारणों का विश्लेषण कर प्रभावी रणनीतियों का निर्माण करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये गए। साथ ही पंचायत स्तर पर 6 स्टेकहोल्डर समूह गठन और बैठकों द्वारा 101 प्रतिभागियों को जोड़ा गया। परियोजना से 841 ग्रामीण किशोरियां ने सीधे जुड़कर इन विषयों पर अपनी समझ विकसित की।

परियोजना के तहत राजस्थान के राजसमंद जिले के खमनोर ब्लॉक में बाल विवाह की स्थिति, उसके कारणों और असर को समझने के लिए एक अध्ययन किया गया। इसके लिए 6 गाँवों से 18 से 30 वर्ष की उम्र के 600 लोगों (300 पुरुष और 300 महिलाएँ) को चुना गया। उनसे बातचीत करके बाल विवाह से जुड़े आँकड़े और जानकारी एकत्र की गई, ताकि इसके सामाजिक, सांस्कृतिक और लिंग–संबंधी पहलुओं को समझा जा सके।

अध्ययन से पता चला कि कम उम्र में शादी बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर डालती है। हालांकि 57% महिलाएँ और 54% पुरुषों ने कहा कि उन्हें शादी के बाद तुरंत कोई शारीरिक परेशानी नहीं हुई, लेकिन शोध से यह साबित हुआ कि कम उम्र में शादी किशोरियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है और एनीमिया, कुपोषण व मातृत्व संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ाती है।

शिक्षा पर भी इसका बुरा असर पड़ता है – 85% महिलाएँ और 88% पुरुष शादी के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं। करीब तीन–चौथाई लोगों ने कहा कि वे उच्च शिक्षा तक नहीं पहुँच पाए। जल्दी शादी होने से करियर के अवसर भी सीमित हो जाते हैं– लगभग 25% उत्तरदाताओं ने कहा कि विवाह के बाद रोजगार के अवसर कम हो गए। इससे यह जरूरत सामने आई कि विशेष रूप से युवतियों के लिए निरंतर शिक्षा और रोजगार से जुड़ी सहायता बढ़ाई जाए।

निर्णय लेने में भी असमानता दिखी– 81% पुरुष परिवार के फैसलों में शामिल होते हैं, जबकि सिर्फ 30% महिलाएँ ही ऐसा कर पाती हैं। यह समाज में गहरी जड़ें जमाए पितृसत्तात्मक सोच को दर्शाता है। मानसिक स्वास्थ्य पर असर सीमित बताया गया, लेकिन स्वतंत्रता और जीवन के चुनावों पर रोक, शुरुआती विवाह के सामाजिक और भावनात्मक प्रभावों को दिखाती है। गाँवों में शादी को अब भी सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। आधे से अधिक स्थानीय नेता (लगभग 57-58%) बाल विवाह का समर्थन करते पाए गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि स्थानीय प्रशासन और धार्मिक नेताओं के साथ जागरूकता बढ़ाने और जुड़ाव की तत्काल जरूरत है।

विवाह से जुड़े कार्यक्रमों और विवाह–पूर्व परामर्श में लोगों की भागीदारी में थोड़ी ही बढ़ोतरी देखी गई, जो बताती है कि सोच में बदलाव शुरू तो हुआ है, लेकिन अभी धीमा है। ग्रामीण राजस्थान में कम उम्र में विवाह, लैंगिक समानता और युवाओं के सशक्तिकरण के रास्ते में एक बड़ी रुकावट है।

निष्कर्षतः, यह अध्ययन बताता है कि विवाह की उम्र बढ़ाने, युवतियों के अवसरों को विस्तार देने और समान विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और लैंगिक समानता पर एक साथ काम करने की जरूरत है।

चुप्पी तोड़ोः झुमड़ी की कहानी

झुमड़ी गायरी, राजसमन्द जिले के खमनोर ब्लॉक के कागमंदारडा गाँव में रहने वाली 12 साल की किशोरी, जो किशोरी समूह की सदस्य है और समूह की बैठकों में नियमित रूप से भाग लेती हैं। झुमड़ी को पहली बार जब माहवारी आई तब वह बुरी तरह घबरा गई और उसने बैठक में आना बन्द कर दिया गया। समूह की अन्य किशोरियों से मदद से उसे वापस समूह से जोड़ा गया। समूह की किशोरियों और समूह दीदी को यह आभास हुआ कि किशोरियों के साथ माहवारी पर चर्चा करना कितना जरुरी है। इसके बाद पंचायत के उप स्वास्थ्य केंद्र के नर्स मेडम जी को बैठक में जोड़ कर माहवारी पर परिचर्चा करवाई गई और समूह में इस विषय पर नियमित चर्चा होने लगी। तब कहीं जाकर झुमड़ी और अन्य किशोरियों की इस विषय से जुडी अनेक भ्रांतियों का निवारण हो सका। आज झुमड़ी अपने गाँव व स्कूल के सहेलियों से साथ माहवारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करती है और अब तक झुमड़ी ने कुल 25 किशोरियों को माहवारी से जुडी भ्रांतियों पर समझ बनाने में सहयोग दिया है। झुमड़ी चाहती है कि जब तक जीवन है तब तक वह इसी तरह किशोरियों से माहवारी के मुद्दों पर बात करती रहे और इससे जुड़े डर और भ्रांतियों को दूर करती रहे।

बच्चों के नियमित टीकाकरण का जतन

L&T कम्पनी के वित्तीय सहयोग द्वारा राजस्थान के ग्रामीण समुदायों को विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने और बच्चों के टीकाकरण लिये उदयपुर जिले के झाड़ोल ब्लॉक और शहर के आस–पास के क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत आयोजित उदयपुर शहर के आस पास और फलासिया, खरड़िया, और झांझर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गए, जिसमें लगभग 250 लोगों को लाभान्वित किया गया।

टीकाकरण जागरूकता और समुदाय सहभागिता के लिए स्थानीय धार्मिक गुरुओं के साथ बैठक, रात्रि चौपाल, माता–पिता बैठकें, टीकाकरण की बात ''युवाओं के साथ'' कार्यक्रम, प्रभावशाली व्यक्तियों, महिला समूहों, स्कूल शिक्षकों, समुदाय संस्थानों के साथ बैठकें, नियमित जनसम्पर्क एवं मोबिलाइजेशन, फील्ड व स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग, खास समूहों से संवाद (थर्ड जेंडर समुदाय) जैसी महत्वपूर्ण और प्रभावी गतिविधियों का आयोजन कर बच्चों को नियमित टीकाकरण सेवाओं से जोड़ा गया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संस्थान के कार्यों की सराहना की गई और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

स्वस्थ परम्पराएं

बॉलीवुड 70 के गीत–संगीत से सरोबार रहा जतन स्थापना दिवस 2023

ये शाम मस्तानी, कभी कभी मेरे दिल में, तेरे चेहरे में वो जादू है, चलो दिलदार चलो जैसे 70 के दशक में हिट रहे अनेक गीतों की प्रस्तुतियों ने देर रात तक चले जतन संस्थान के स्थापना दिवस में आये लोगों को पुराने दिनों की यादों से रूबरू करवाते हुए समाँ बाँध दिया। अवसर था जतन संस्थान के 23 वें स्थापना दिवस समारोह का जो संस्थान के खड़ बामनिया, रेलमगरा स्थित ''हुनरघर'' प्रशिक्षण एवं सन्दर्भ केंद्र पर आयोजित किया गया।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ये कार्यक्रम थीम आधारित रहा और कार्यकर्ताओं ने 1970 के दशक की बॉलीवुड स्थितियों को प्रदर्शनी, सेल्फी पॉइंट, रोचक प्रश्नोत्तरी ''सिनेमा–ए–जतन'' और उस दौर में हिट रहे गीत–संगीत से जीवित कर दिया। कार्यक्रम में शिरकत करने वाले अधिकांश संभागी जहां एक ओर 70 के दशक में प्रचलित फैशन के केश विन्यास और परिधानों में सजे थे वहीं दूसरी और उस दौर के प्रसिद्ध अभिनेताओं के विशाल कट आउट और पुराने फिल्मी पोस्टर्स के साथ फोटो खिंचवाने की होड़ में भी शामिल रहे।

कार्यक्रम में इस वर्ष के ''सफर के साथी'' पुरस्कार के लिए आयुष चिकित्सक दिनेश रजक का चयन करते हुए इन्हें आभार पत्र देते हुए सम्मानित किया गया जिन्होंने कुपोषित और अति कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में संस्थान कार्यकर्ताओं को विशेष सहयोग दिया था।

ऋषिकेश में संपन्न हुआ जतन कार्यकर्ता क्षमतावार्धन कार्यक्रम ''जतन जन जमघट''

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जतन संस्थान कार्यकर्ताओं के लिए वार्षिक क्षमतावार्धन कार्यक्रम 'जतन जन जमघट' आयोजित किया गया। इस बार यह प्रशिक्षण ऋषिकेश में आयोजित किया। शिविर में एक प्रदर्शनी लगाई गई जिसमे विभिन्न परियोजना से आए 85 प्रतिभागियों ने अपनी–अपनी परियोजनाओं के पोस्टर और अन्य शैक्षिक सामग्री प्रदर्शित की। शिविर के दौरान कार्यकर्ता गूंज संस्थान कार्यालय गए, जहां उन्होंने पुराने वस्त्रों से निर्मित उत्पादों और उनके उपयोग के विषय में सीखा। इसके पश्चात, ऋषिकेश वेस्ट वॉरियर्स टीम द्वारा कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकश दिया गया। इस अवसर पर एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ ली। कार्यकर्ताओं ने परमार्थ निकेतन आश्रम भी देखा और आश्रम द्वारा संचालित किशोरियों और महिलाओं के ले लिए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की और गंगा आरती में भाग लिया। यह अनुभव सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। शिविर में समय प्रबंधन और कार्यालय कार्य संस्कृति पर विशेष चर्चा आयोजित की गई।

सम्मान

जतन संस्थान के टीम को महाराष्ट्र के कमिश्नर ने महाराष्ट्र में संचालित पेरेंट्स प्लस प्रोग्राम में सहयोग के लिए सम्मानित किया।

साथ ही जतन संस्थान टीम से अपूर्वा ने "कार्यस्थल पर लैंगिक समानता–महिलाओं को सशक्त बनाना तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला 30 जनवरी, 2024 को सेंटर फॉर एक्सीलेंस, उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड–टू–बी–यूनिवर्सिटी), उदयपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित की गई थी, जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मनित किए गए।

जतन का जुड़ाव : कलेक्टिव और नेटवर्क

जतन संस्थान अपने अलग– अलग मुद्दों से जुड़े विभिन्न प्रकार के नेटवर्क और कलेक्टिव से जुड़े हुए है ताकि अपने मुद्दों को राष्ट्र स्तर पर ले जा कर इसके समाधान कर सके साथ ही अपने कार्यक्षेत्र को मजबूत करते हुए विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर सामूहिक प्रभाव पैदा कर सके, जैसेः– Girls Not Brides बाल विवाह समाप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर संगठनों को जोड़कर लड़कियों के अधिकार, शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देता है। India ECD Collective शुरुआती बचपन और शिक्षा से जुड़े प्रयासों को सशक्त बनाता है और 0–6 वर्ष के बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देता है। Child Rights Rajasthan Network राज्य में बाल अधिकारों, संरक्षण, शिक्षा और किशोर अधिकारों पर काम करने वाले संगठनों को एक मंच देता है जहा इससे जुड़े मुद्दों पर बात तथा समस्या के समाधान पर बात हो सके। Dasham 2023 युवाओं के कौशल, नेतृत्व और नीति संवाद में भागीदारी बढ़ाने वाला राष्ट्रीय युवा नेटवर्क है जिसमे जतन संस्थान एक अहम् भूमिका निभा रही है। ठीक उसी तरह, WISH Network प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार और बेहतर मॉडलों के माध्यम से शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने वालो संस्थाओ को एक मंच देता है जिससे लोग एक दूसरे के नवाचार से सिख सके। FORCES Network महिलाओं के कार्यस्थलों और समुदायों में गुणवत्तापूर्ण डे–केयर सेवाओं, बाल देखभाल और शुरुआती शिक्षा को बढ़ावा देकर महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूत करता है। SUMA Network सामुदायिक नेतृत्व, सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हुए पारस्परिक सहयोग का मंच तैयार करता है। Cloth Pad Collective स्थायी मासिक धर्म उत्पादों को बढ़ावा देकर कचरे में कमी और पर्यावरण–अनुकूल विकल्पों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है, जबकि Menstrual Health Alliance of India (MHAI) मासिक धर्म स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीति वकालत, जागरूकता, ज्ञान–साझा और क्षमता निर्माण के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

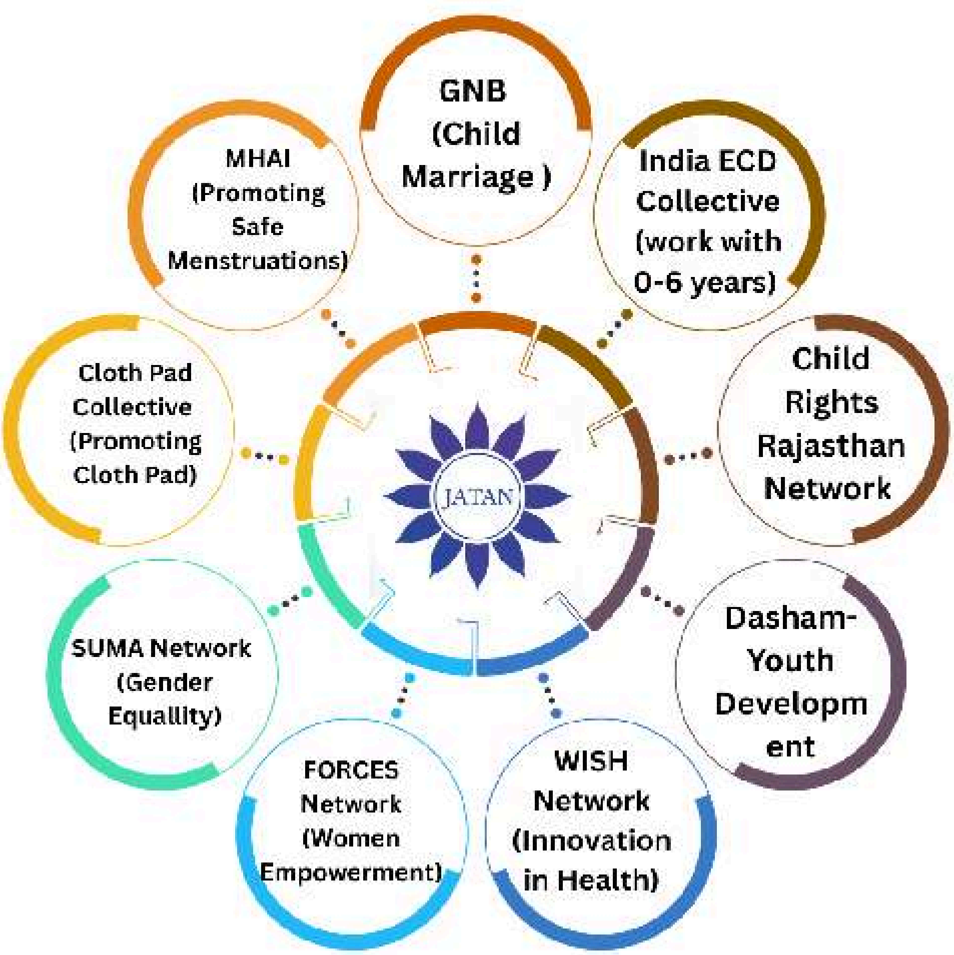

हमारे प्रकाशन

बढ़ते कदम – पहला कदम मासिक पत्रिका

हर जीवन हो पोषण से रोशन – चर्चा का परचा

सीख रो संदेशो – पंचायती राज त्रैमासिक पत्रिका

आंगनवाड़ी स्तरीय निगरानी और सहायता समिति प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

बात मजे की – समानता का गीत

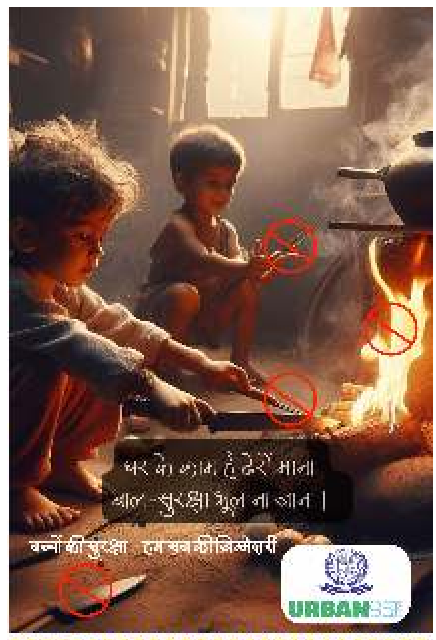

परवरिश पोस्टर्स – पैरेंट प्लस पोस्टर्स

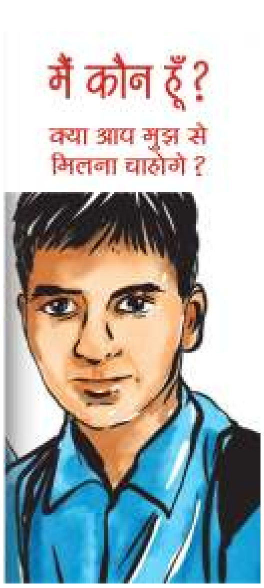

मैं कौन हूँ – ब्रोशर

स्थाई समितियां – पोस्टर पंचायती राज

आजकल लडके – किशोर पुस्तिका

JATAN EXECUTIVE COMMITTEE

(As on March 2024)

1- Mahesh Dadheech - President

Chairperson, Advocate & Legal Advisor Municipal Board of Gangapur, Bhilwara

2. Gowerdhan Singh Chouhan - Treasurer

Founder Jatan Sanstha, Social Worker Railmagra, Rajsamand

3- Dr. Kailash Brijwasi - Founder Secretary

Educationist and Expert in Gender & Life Skills, Udaipur

4. Dr. Lakshmi Murthy - Member

Founder Jatan Sansthan, Designer and Social Communicator, area of expertise Reproductive Health, Udaipur

5- Ranveer Singh - Member

Social Worker Railmagra, Rajsamand

6- Govind Singh - Member

Research Associate, Vidya Bhawan Education Resource Center, Udaipur

7. Mohammad Yusuf - Member

Retd- Jr- Civil Engineer, Raj- Govt., Udaipur

8- **Mukesh Kumar Sinha - Member**

Social Worker, Railmagra, Rajsamand

9- Sanjay Chittora - Member

Programe Manager Skill Training Employability and Placement (STEP) Academy Aajeevika Bureau, Udaipur

साधारण सभा की वार्षिक बैठक –

- 9 मार्च 2024

कार्यकारिणी समिति की बैठकों की तारीखें

- 6 मई 2023
- 15 जुलाई 2023
- 14 अक्टूबर 2023
- 23 दिसंबर 2023
- 9 मार्च 2024

JATAN GENERAL BODY MEMBERS

Mahesh Dadheech
President

Dr. Kailash Brijwasi
Founder Secretary

Goverdhan Singh Chouhan
Treasurer

Dr- Lakshmi Murthy
Member

Ranveer Singh
Member

Govind Singh
Member

Mohammad Yusuf
Member

Dr. Gayatri Tiwari
Member

Ashwani Paliwal
Member

Mukesh Kumar Sinha
Member

Sanjay Chittora
Member

Dr. Vardhini Purohit
Member

Geetika Ramchandran
Member

Manju Khatik
Member

PROGRAMME EXPENDITURE FOR 2023-24

S.No.	PROGRAMME	2023-24
1	Running of NFE and Balwadi Centre (Devali Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	830,307.00
2	Apna Jatan Kendra	142,899.00
3	MRITE /Routine Immunisation	3,347,790.82
4	Parents + (Urban 95) Bernard Van Leer Foundation	6,608,825.00
5	Gems for Boys Programme	3,687.00
6	Education Programme	2,596,316.00
7	Pehla Kadam (Strengthening the System for Early Learning)	8,242,383.00
8	Child Programme	41,180.00
9	Child Development Program	4,628.10
10	Acess to Justice	3,589,963.00
11	Health Programme	821,953.00
12	Education Nest for Tribal's Children	474,000.00
13	Building Evidence Base on Strategies to Prevent Child Marriage	479,750.00
14	PRAVAH (Smile Programme)	960,272.00
15	Healthy Generation Project	2,020,943.00
16	Panchayati Raj Strenghtning Programme	4,528,610.00
17	SEHYOGI - Strengthening, Engaging and Helping Youth and community On Gender roles and Inspiring parenting	5,283,335.00
18	Transforming Systems for Delivering High Impact Nutrition Results in Rajasthan-RAJPUSHT	17,985,584.00
19	Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS services: "KHUSHI Project"	-6,687.00
20	Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	639,060.00
21	Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	653,019.00
22	Health Care Project-Health Camps of L&T Finance Limited	285,938.00
23	Mahila Suraksha Evam Salah Kendra, Dungarpur	415,228.00
24	Mahila Suraksha Evam Salah Kendra, Devgarh Rajsamand	272,934.00
25	Mahila Suraksha Evam Salah Kendra, Dhambola, Dungarpur	304,127.00
26	Mahila Suraksha Evam Salah Kendra, Gangapur, Bhilwara	258,343.00
27	Mahila Suraksha Evam Salah Kendra, Gangapur, Mavli, Udaipur	280,291.00
28	Training for UGER	40,841.00
	TOTAL	**61,105,519.92**

JATAN SANSTHAN

STAFF DETAILS AS ON 31 MARCH 2024

Gender	Paid Full-Time	Paid Part-Time	Paid Consultants	Total
Male	20	0	53	73
Female	9	0	52	61
Total	**29**	**0**	**105**	**134**

DISTRIBUTION OF STAFF ACCORDING TO SALARY LEVELS AS ON 31 MARCH 2024

Gross salary plus benefits paid to staff (Rs. Per month)	Male staff	Female staff	Total staff
Less than 5,000	0	0	0
5,001-10,000	1	21	22
10,001-25,000	52	32	84
25,001-50,000	15	4	19
50,001,-1,00,000	3	4	7
Greater than 100,000	2	0	2
TOTAL	**73**	**61**	**134**

(M) 94141 57232

S.D. BAYA & Co.

Chartered Accountants

S. D. Baya
M.Com., FCA

448, Moksh Marg
Shastri Circle
Udaipur (Raj.)

FORM No. 10B
[See rule 16CC and 17B]

Audit report under clause (b) of the tenth proviso to clause (23C) of section 10 and sub-clause (ii) of clause (b) of subsection (1) of section 12A of the Income-tax Act, 1961, in the case of a fund or trust or institution or any university or other educational institution or any hospital or other medical institution.

I have examined the balance sheet of **JATAN SANSTHAN RAILMAGRA** [name of the fund or trust or institution or any university or other educational institution or any hospital or other medical institution] as at **31-MAR-2024** and the Income and Expenditure account or Profit and Loss account for the year ended on that date are in agreement with the books of account maintained by the said fund or trust or institution or university or other educational institution or hospital or other medical institution.

I have obtained all the information and explanations to the best of my knowledge and belief which are necessary for the purposes of the audit.

In my opinion, proper books of account have been maintained at the registered office of the above named fund or trust or institution or university or other educational institution or hospital or other medical institution at the address mentioned at serial number 14 of the Annexure:

In my opinion and to the best of my information and according to explanations given to me, the particulars given in the Annexure are true and correct subject to following observations or qualifications

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me, the said accounts give a true and fair view

(i) in the case of the balance sheet, of the state of affairs of the above named * fund or trust or institution or university or other educational institution or hospital or other medical institution as on **31-MAR-2024** and

(ii) in the case of the Income and Expenditure account or Profit and Loss account, of the income and application or profit or loss of its accounting year ending on **31-MAR-2024**

subject to the following observations/qualifications

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountant
(Firm Regn No.: 0007833C)

S.D. BAYA & Co. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167

Place :UDAIPUR
Date : 23-Sep-2024
UDIN : 24076167BKEOBG1223

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET (CONSOLIDATED)

AS AT 31st March 2024

Particulars	Sch.	As AT 31.03.2024
SOURCES OF FUND		
CAPITAL FUND:	2	1,86,73,962.50
RESERVE & SURPLUS	3	1,72,08,625.48
CURRENT LIABILITIES	4	87,55,667.56
STAFF WELFAREFUND		73,251.00
UN SPENT AMOUNT PAYABLE ON PROJECTS	7	1,19,30,491.13
Total		**5,66,41,997.67**
APPLICATION OF FUNDS		
FIXED ASSETS	1	1,86,73,962.50
CURRENT ASSETS	5	9,70,180.00
CASH - BANK- BALANCE	6	3,69,97,855.17
		5,66,41,997.67

Notes on Accounts

The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date
For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants
Firm Regn No.0007833C

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

S.D. BAYA & CO. 448, Molish Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Place: Udaipur (Raj.)
Date 23.09.2024

5, Tirupati Vihar, Near Celebration Mall Bhuvana, Udaipur-313001, India Jatan

Page 1

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED ON 31-03-2024

Particulars	Sch.	This Year
INCOME DURING THE YEAR		
Grant In Aid	7	5,72,50,988.57
Interest Earned		10,60,294.12
Donation		10,000.00
Other Income/Donation/Admn. Rec.		71,17,659.29
Membership Fee		1,407.00
Sale of Scrap		64,571.00
Total (A)		6,55,05,119.98
EXPENDITURE DURING THE YEAR		
Project Expenses	7	6,07,47,219.92
Organisational/Other Programme Expenses		62,23,788.96
Total (B)		6,69,71,008.88
Excess of Income over Expenditure (A-B)		-14,65,888.90
Less :Fixed Assets Purchase During the Yeatr		3,62,800.00
Add :Opening unspent /overspent Balances of Funding Agencies		**1,57,77,905.48**
		1,39,49,216.58
Less: closing Balance of Funding agencies		1,19,30,491.13
		20,18,725.45

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants
Firm Regn No.0007833C

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167
Place: Udaipur (Raj.)
Date 23.09.2024

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Page 2

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED 31-03-2024

	AMOUNT
A. OPENING BALANCE	
Cash in hand	0.00
Cash at bank	3,54,10,898.07
FD's With Bank	7,74,311.00
	3,61,85,209.07
I. RECEIPTS DURING THE YEAR	
(i) Grants for Programme	
Gebeco Reisen	9,15,066.00
Gebeco Reisen Rennovation	1,42,899.00
BARNFONDEN	35,98,283.00
Educate for Life	27,00,000.00
Bernard Van Leer Foundation	88,43,178.00
JSI Research & Training Institute	31,72,814.00
KSCF	28,85,601.00
Maharastra Foundation (EFL)	8,21,953.00
Solidaridad Network Asia Ltd.	4,74,000.00
Teree Das Hommes Deutschiand(TDH)	9,18,580.57
Harish & Bina Shah Foundation	1,12,50,000.00
UNICEF, Jaipur	41,23,500.00
IPE Global, New Delhi	1,32,82,002.00
Hindustan Zinc Limited Udaipur	11,20,392.00
Child Line India Foundation, Mumbai(Rajsamand)	5,20,939.00
Child Line India Foundation, Mumbai (Railway)	4,16,022.00
LT Finance Holding	2,85,938.00
Mahila Adhikarita Vibhag Dungerpur	5,31,697.00
Mahila Adhikarita Vaibhag Rajsamand	3,75,000.00
Meshila Adhikarita Vibhag Dhambola	2,39,213.00
Mahila Adhikarita Vibhag Gangapur Bhilwara	2,11,028.00
Mahila Adhikarita Vibhag Mavli	2,50,000.00
Tech Firefly Private	1,80,000.00
	5,72,58,105.57
(ii) Other Receipts	
Administrative & Other Receipts	47,54,282.33
Uger Programme related Receipts	3,94,213.96
Jatan Resource centre	19,18,153.00
Bank Interest	11,71,237.12
Member Ship Fee	1,407.00
Donation	10,000.00
Current liabilities	38,70,071.00
Sale of Scrap	64,571.00
	1,21,83,935.41
B. TOTAL RECEIPTS DURING THE YEAR(i+ii)	**6,94,42,040.98**
C. FUNDS AVAILABLE DURING THE YEAR (A+B)	**10,56,27,250.05**

Page 13

S.D. BAYA & CO. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Jatan

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED 31-03-2024

	AMOUNT
II. PAYMENTS DURING THE YEAR	
(i) Programme Related Payments	
Running of NFE and Balwadi Centre (Devali Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	8,30,307.00
Apna Jatan Kendra	1,42,899.00
MRITE /Routine Immunisation	33,47,790.82
Parents + (Urban 95) BVLF	65,08,825.00
Education Programme	25,96,316.00
Pehla Kadam (Strengthening the System for Early Learning)	82,42,383.00
Child Programme	41,180.00
Child Development Programme	4,628.10
Acess to Justice	34,54,163.00
Health Programme	7,26,953.00
Education Nest for Tribal's Children	4,74,000.00
Building Evidence Base on Strategies to Prevent Child Marriage	4,74,350.00
PRAVAH (Smile Programme)	9,60,272.00
Healthy Generation	20,20,943.00
Panchayati Raj Strenghtning Programme	44,01,110.00
SEHYOGI	52,83,335.00
RajPusht Project (IPE Global)	1,79,85,584.00
Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	6,39,060.00
Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	6,53,019.00
Health Camp	2,85,938.00
Mahila Salah Evm Suraksha Kendra	4,15,228.00
Mahila Salah Evm Suraksha Kendra	2,72,934.00
Mahila Salah Evm Suraksha Kendra	3,04,127.00
Mahila Salah Evm Suraksha Kendra	2,58,343.00
Mahila Salah Evm Suraksha Kendra	2,80,291.00
Training for UGER	40,841.00
	6,06,44,819.92
Organisational & Other Prog. Expenses	45,79,608.96
Uger Programme Related Expensess	4,88,350.00
Jatan Resource Centre	12,41,575.00
Total	**63,09,533.96**
(iii) Fixed assets purchased	3,62,800.00
	3,62,800.00

S.D. BAYA & CO. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Jatan Udaipur-313001, India

Page 14

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT (CONSOLIDATED)

FOR THE YEAR ENDED 31-03-2024

	AMOUNT
(iv) Loan and Advances	
Loan and Advance	9,07,879.00
TDS Receivable 23-24	4,04,362.00
	13,12,241.00
D. TOTAL PAYMENTS DURING THE YEAR	**6,86,29,394.88**
E. CLOSING BALANCE	
Cash at banks	3,28,15,503.17
FD's With Bank	41,82,352.00
	3,69,97,855.17
F. TOTAL PAYMENTS DURING THE YEAR (D+E)	**10,56,27,250.05**

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants
Firm Regn No.0007833C

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date: 23.09.2024

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

चौकी पाल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

झील की हिलोरे केनवास और कुंचियां बाल विवाह को रोको कहती अंगुलियां

राजसमंद (पुकार)। हमारे समाज की प्रमुख एक सामाजिक कुरीति राजस्थान में अनवरत रूप से बालक,बालिकाओं के सपनों को सुरसा के मुख के समान लगातार अनवरत रूप से निगलती जा रही है। यह बदस्तूर राजसमंद के इलाकों में भी चल रहा है। सरकारी प्रशासन इसी कुरीति के खिलाफ खड़ा हुआ है बालक बालिकाओं के सपनों को नई उड़ान देने के लिए। हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। ऐसा ही एक प्रयास पूरे हिंदुस्तान में एक्सिस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन परियोजना के माध्यम से किया जा रहा है। राजसमंद जिले में जतन संस्थान, जिला प्रशासन व कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउंडेशन के साथ मिलकर यह बात जिले के हर कोने-कोने हितधारक, अभिभावक, समाज के सामान्य नागरिकों से मिलकर उन्हें साथ में जोड़कर एक कार्यों के रूप में आगे की और बढ़ते हुए सात ब्लॉक के 150 गांवों को बाल विवाह मुक्त करवाने का कार्य कर रहा है। जिला समन्वयक संजय राव ने बताया कि परियोजना में 2 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के तहत संगोष्ठी, ग्राम सभा, रैलियाँ, नुक्कड़ नाटक, चर्चा, इत्यादि की जा रही है। सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित नौ चौकी पाल पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालय सनराइज एकेडमी नाथद्वारा, राउमावि रेलमगरा,भाणा, सापोल, हरित इंटरनेशनल, न्यू पद्मा एकेडमी,महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल राजनगर के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनीष कुमार वैष्णव के द्वारा की गयी व मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि श्री विजय फाउंडेशन विनीता पालीवाल थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बाल विवाह होने के चलते होने वाले बाल अधिकार का हनन, बेमेल विवाह, हिंसा इसके प्रभाव, बाल यौन शोषण, शारीरिक व मानसिक हिंसा से जुड़े मुद्दों को कूंचियों के माध्यम से केनवास पर उकेरा। इस दिन राजसमंद झील के नीर की हिलोरे से जुड़ यही सन्देश चीख चीख के दे रहा था। हमें पढ़ने दो -हमें बढ़ने दो। प्राधिकरण सचिव मनीष कुमार ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आप बाल विवाह की जानकारी देते हैं तो आपकी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक श्री विजय फाउंडेशन विनीता पालीवाल, मनोज पोरवाड़, डॉ. जगदीश जीनगर ने विजेता पोस्टर का चयन किया। जिसमें विद्यालय सनराइज एकेडमी नाथद्वारा, राउमावि रेलमगरा से प्रथम स्थान रिद्धिमा मेहता, द्वितीय स्थान प्रतीक मेहता व तृतीय स्थान महावीर शर्मा रहे।

दैनिक भास्कर राजसमन्द भास्कर 15-03-2024

आंगनबाड़ी केंद्रों पर शिक्षा को मजबूत करने पर चर्चा

भास्कर न्यूज | आमेट

जतन संस्थान द्वारा संचालित पहला कदम परियोजना के अंतर्गत राउमावि सभागार में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सभी पीईईओ, महिला पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ प्रारंभिक शिक्षा को लेकर संवाद कार्यक्रम हुआ।

परियोजना प्रबंधक डॉ. उषा चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए आई सीडीएस विभाग एवं प्राथमिक शिक्षकों के साथ मिलकर सहयोग पर चर्चा की गई। संवाद के दौरान सभी ने फील्ड की स्थितियों पर चर्चा की एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में सीखने-सिखाने को लेकर अपने अनुभव साझा किए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह चुंडावत द्वारा सभी आंगनबाड़ी अधिकारियों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पाठ्यक्रम के अनुसार गतिविधियों को करवाने में सहयोग प्रदान करने के लिए सहमति जताई। साथ ही महिला पर्यवेक्षक ललिता जैन द्वारा जतन संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त एसी बीईओ रामा अवतार, रामावि प्रधानाचार्य दूल्हेसिंह झाला, जतन संस्थान से परियोजना प्रभारी कन्हैया लाल जीनगर, ब्लॉक समन्वयक नीलोफर नीलगर, अंजू कुंवर, जगदीश, नारायण टेलर, महेंद्र कुमार, रतन आदि मौजूद थे।

दैनिक भास्कर राजसमन्द भास्कर 21-09-2023

रेलमगरा: गोगाथला में मनाया पोषण दिवस

रेलमगरा| गोगाथला में पोषण सप्ताह कार्यक्रम के तहत जतन संस्थान ने पोषण दिवस मनाया गया। निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने अपने इथोपिया प्रवास के अनुभवों को साझा करते हुए किशोर-किशोरियों को भोजन में तिरंगी संकल्पना को स्पष्ट किया। ग्राम पंचायत गोगाथला के सरपंच छोगालाल सालवी ने बताया कि जागरूकता मंच के माध्यम से किशोर-किशोरियों व समुदाय के मध्य पोषण जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पोषण सेमीनार, प्रदर्शनी व जागरूकता रैलियों का आयोजन होना पंचायत के लोगों में जागरूकता लाने का काम करेगा। सेमिनार में रेलमगरा सीडीपीओ राजेंद्र घोसल्या ने पोषण से संबंधित राजकीय प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए एनिमिया नियंत्रण व उड़ान कार्यक्रम पर अपनी बात रखी।

दैनिक भास्कर राजसमन्द भास्कर 14-03-2024

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय फागुन मेला सम्पन्न

राजसमंद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के उपलक्ष्य में जतन संस्थान की ओर से जिले की महिलाओं, किशोरियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ राजपूत वाटिका में फागुन मेले का आयोजन किया गया। मेले में अतिथि एडीएम कृष्णकांत वैष्णव, नंद लाल मेघवाल, जिला प्रमुख रानी देवी जाट, सुमन अजमेरा, समाजसेवी प्रकाश लखारा थे।

उपनिदेशक रणवीर सिंह ने मेले के उद्देश्य व रूपरेखा से अवगत करवाया। डीईओ प्रारंभिक सुमन अजमेरा ने महिला सशक्तिकरण पर उद्बोधन दिया। उपनिदेशक नंदलाल मेघवाल ने कहा कि आईसीडीएस विभाग पोषण में विशेष प्रभाव पाचता को लगातार बढ़ावा दे रहा है। जिला प्रमुख रानी देवी ने महिलाओं की हौसला अफजाई करते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ... बृजवासी ने बताया कि मेले में उपयोगी जानकारी बढ़ाने वाली थी। मेला प्रभारी संजय राव ने बताया कि आयोजन में राजीविका, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, सखी पुलिस थाना, पशुपालन, महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पहला कदम परियोजना, एक्सेस टू जस्टिस परियोजना, बाल विवाह के विरुद्ध शपथ, सेल्फी पॉइंट, पत्र लेखन, झूले व खान, खेलकूद गतिविधियां सहित करीब 25 स्टाल लगाई गई। मेले में 450 से अधिक किशोरियों व कार्यकर्ताओं ने

देवगढ़ में संपन्न हुआ ब्लॉक स्तरीय प्रारम्भिक शिक्षा संवाद कार्यक्रम

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़। विद्याधर वैष्णव । जतन संस्थान द्वारा संचालित पहला कदम परियोजना के अंतर्गत कल मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय , देवगढ़ में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी , सभी पीईओ, महिला पर्यवेक्षक , आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ के साथ प्रारम्भिक शिक्षा को लेकर एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । परियोजना प्रबंधक डॉ. उषा चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ करने हेतु आईसीडीएस विभाग एवं जतन संस्थान के साथ मिलकर शिक्षकों के योगदान पर चर्चा करना था । कार्यक्रम के दौरान सभी ने फील्ड की स्थितियों पर चर्चा की एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में सीखने - सिखाने को लेकर अपने अनुभव साझा किए ।मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मुकुट बिहारी शर्मा द्वारा सभी पीईईओ अधिकारियों से आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पाठ्यक्रम के अनुसार गतिविधियों को करवाने में सहयोग प्रदान करने हेतु सहमति जताई । साथ ही महिला पर्यवेक्षक सरोज कंवर एवं सुधा मेवाड़ा द्वारा जतन संस्थान के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई एवं प्रारंभिक शिक्षा को और अधिक मजबूत करने हेतु अपने सुझाव दिये गए इस दौरान कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विभाग से अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कान सिंह के द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में आईसीडीएस विभाग से ब्रजवासी मीणा एवं जतन संस्थान से ब्लॉक समन्वयक प्रदीप सिंह , अशोक , हर्षवर्धन , समिता , तनिषा उपस्थित रहे ।

दैनिक भास्कर राजसमन्द भास्कर 25-08-2023

महिला सुरक्षा व सलाह केंद्र का शुभारंभ

देवगढ़| थाना परिसर में महिला सुरक्षा व सलाह केंद्र कक्ष का अतिथियों ने फीता काटकर शुभारंभ किया। प्रताप सिंह झाला, सब इंस्पेक्टर शिव सिंह की मौजूदगी में हुआ। महिला सुरक्षा सलाह केंद्र का संचालन महिला अधिकारिता विभाग, जतन संस्थान व पुलिस विभाग के साझे में किया जाएगा। केंद्र के माध्यम से भीम सर्कल क्षेत्र की महिलाओं के विरुद्ध होने पारिवारिक व घरेलू हिंसा के प्रकरणों में काउंसलिंग की जाएगी। केंद्र के माध्यम से महिला उत्पीड़न व पारिवारिक अत्याचार के प्रकरणों में महिलाओं की कानूनी मदद की जाएगी। इस दौरान जतन संस्थान के उपनिदेशक गोवर्धन सिंह, कन्हैया लाल, ब्लॉक समन्वयक प्रमोद सारण, महिला काउंसलर जमना चौहान, दीपिका राठौड़ मौजूद थे।

दैनिक भास्कर उदयपुर जिला 30-01-2024

बालिकाओं का क्रिकेट स्पर्धा, मोड़ी-बी ने 8 विकेट से जीता मैच

गोगुंदा | मोड़ी गांव के किशोर समूह ने गांव की बालिकाओं के लिए सोमवार को क्रिकेट मैच का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि जतन संस्थान द्वारा सहयोगी परियोजना के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ-साथ किशोरों को संवेदनशील बनाने का कार्य किया जा रहा है। संस्थान के समन्वयक मरुधर सिंह ने बताया कि खेल मनोबल बढ़ाते हैं तथा जीवन कौशल के विभिन्न आयामों में वृद्धि करते है। ऐसे में क्रिकेट मैच इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है। संस्थान की शोभा जाट ने बताया कि ब्लॉक के 30 गांव में किशोर समूहों को विभिन्न विषयों पर संवेदनशील बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सोमवार को मोड़ी-ए व मोड़ी-बी के बीच क्रिकेट मैच हुआ, जिसमें मोड़ी-ए ने कप्तान भूमिका के नेतृत्व में पहले बल्लेबाजी करते हुए मोड़ी-बी को 29 रन का लक्ष्य दिया। वहीं मोड़ी-बी ने कप्तान केसर के नेतृत्व में 5.2 ओवर में लक्ष्य हासिल करते हुए 8 विकेट से मैच जीत लिया।

रघुनाथपुरा गांव में बालवाड़ी शुरू

देवगढ़. जतन संस्थान की पहला कदम परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को स्वादड़ी पंचायत के रघुनाथपुरा गांव में एक बालवाड़ी का उद्घाटन किया गया। ब्लॉक समन्वयक प्रदीपसिंह ने बताया कि गांव में आंगनबाड़ी नही होने के कारण संस्थान की ओर से गांव में सर्वे करवाया गया, जिसमें 3 से 6 वर्ष के 35 से ज्यादा बच्चे शाला पूर्व शिक्षा से वंचित पाए गए। इस कारण संस्थान ने यहां बालवाड़ी का शुभारंभ किया है। वार्डपंच देवीसिंह ने बताया कि यहां पर आंगनबाड़ी नहीं खुलने तक बालवाड़ी का संचालन विधिवत रूप से जारी रहेगा। इस दौरान राउप्रावि के संस्थाप्रधान धर्मचंद चंदेल, शिक्षक हरीश सुथार, निरंजन कंवर, राजेश शर्मा एवं संस्थान के अशोक कुमार मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर राजसमन्द भास्कर 09-08-2023

स्थायी समितियों के सदस्यों की क्षमतावर्धन कार्यशाला

भास्कर न्यूज | रेलमगरा

जतन संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र कुंवारिया पर पंचायती राज सशक्तिकरण परियोजना के तहत स्थाई समितियों के सदस्यों की एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला हुई। कार्यशाला में 7 ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर पंचायत में बनी स्थाई समितियों की कार्यप्रणाली और किए जाने वाले कार्यों को विस्तार से जाना। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता सुनिता मेवाड़िया और संस्थान के उप निदेशक गोवर्धन सिंह ने पंचायत कार्यप्रणाली पर भी विस्तार से चर्चा की जिसमें जनप्रतिनिधि के एक हाथ पर वजन रखकर दूसरे साथियों को उनका सहारा बनने को कहा, जिसमें यह निष्कर्ष सामने आया की सहारा नहीं होने की स्थिति में वजन कम होने पर भी उन्होंने हाथ खड़े कर दिए और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलाने पर वजन का कोई असर नहीं दिखा। इसलिए पंचायती राज व्यवस्था में सरपंच को किस प्रकार से वार्डपंच का सकारात्मक सहयोग मिल सकता है इसको लेकर स्थाई समितियों की कार्यप्रणाली पर चर्चा हुई। बीडीओ राजेश जैन व गिरिराज आचार्य ने स्थाई समितियों के बारे में जन-प्रतिनिधियों को विस्तार पूर्वक प्रत्येक समिति के सदस्य और अध्यक्ष व जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान में इन समितियों को सशक्त करने व बेहतर परिणाम आए इसके लिए ब्लॉक की सभी ग्राम पंचायतों की स्थाई समिति बैठकों के आयोजन को लेकर पंच व सरपंचों से आगामी सप्ताह में बैठक करवाने को लेकर चर्चा हुई। कार्यशाला में गोगाथला सरपंच छोगालाल सालवी, जीतावास सरपंच पूरण जाट, भाकरोलाव सरपंच देवा सरगरा व उपसरपंच और वार्डपंचों ने भाग लिया।

JATAN SANSTHAN
5- Tirupati Vihar, Opp. Celebration Mall,
Bhuwana, Udaipur (Raj.) INDIA
www.jatansansthan.org